

श्वेता विजन

“नजरिया साफ, ख़ब्बरें निष्पक्ष”

हिंदी दैनिक समाचार पत्र

राजन्ना सिरिसिल्ला
जिले के वेमुलावाड़ा
ग्रामीण तहसील
कार्यालय के तहस.
ीलदार सह संयुक्त
उप-पंजीयक
(श्रवपदज
‘नइ-त्महपेजतंत)
और एक निजी
व्यक्ति। बट के जाल
में फंसे।

2

शनिवार 17 अक्टूबर 2026 हैदराबाद से प्रकाशित WEB SITE : Shwetha.co.in संपादक : रघुराम राजू कालीदिंडी पृष्ठ - 1 | अंक - 32 | वर्ष - 8 | मूल्य - ३२

केरल के पूर्व बड पिनराई विजयन को म्ब का समने, 23 अक्टूबर को पूछताछ के लिए बुलायाय जनि पूरा मामला

बता दें कि म्ब ने अगस्त में वीणा विजयन के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए थे। फिर, 27 मई को म्ब ने वीणा विजयन और बडल् के प्रमोटर्स के ठिकानों पर छापेमारी की थी। रेड के दौरान, म्ब को वीणा विजयन के हाथ से लिखे हिसाब-किताब मिले थे। इनमें कई लोगों के नाम, लेन-देन की रकम और दुबई भेजे गए पैसों का ब्योरा दर्ज था। मिला करीब 20.05 करोड़ के लेन-देन का हिसाबम्ब के मुताबिक, इन नोट्स में करीब 3.49 लाख नम दिरहम यानी लगभग 85 लाख रुपये दुबई भेजने और करीब 20.05 करोड़ रुपये के भारतीय करेंसी में लेन-देन का हिसाब मिला। म्ब ने इन वीणा के डिजिटल डिवाइस में किसी दूसरे व्यक्ति के नाम पर लिए गए सिम कार्ड की तस्वीर भी मिली थी। रेड के दौरान कई डिजिटल डिवाइस किए जब्तप्रवर्तन निदेशालय को शक है कि इसका इस्तेमाल इंटरनेट कॉलिंग के लिए किया गया था। छापेमारी के दौरान, कई डिजिटल डिवाइस जब्त किए गए और लोगों के बयान दर्ज किए गए। म्ब का दावा है



कि उसे हवाला के जरिए पैसे ट्रांसफर किए जाने से जुड़े सबूत भी मिले हैं। म्ब के मुताबिक, बरामद दस्तावेजों में दर्ज रकम वीणा विजयन की आय के ज्ञात स्रोतों से ज्यादा है और यह बडल् से मिली रकम के अतिरिक्त है। म्ब ने कहा है कि वह कानून के मुताबिक आगे की कार्रवाई करेगा। क्या है मामला? चूज के अनुसार,

इंडी का आरोप है कि निजी कंपनी बडल् ने साल 2018-2019 में पिनराई विजयन की बेटी वीणा बैककंदियल की कंपनी एक्सालोजिक सॉल्यूशंस को 1.72 करोड़ रुपये का अवैध तरीक से भुगतान किया था। दावा है कि इस प् कंपनी ने बडल् को कोई सेवा भी नहीं दी थी, इसके बावजूद पैसों को भुगतान हुआ था।

‘बांग्लादेश की तर्ज पर रिजीम चेंज की को. शिश, इनका एजेंडा देश में आग लगाना’, राजनाथ सिंह का विपक्ष पर जोरदार हमला

एक तरफ जहां विपक्ष दिल्ली में मोर्चाबंदी कर रहा है तो दूसरी तरफ बीजेपी ने भी घेराबंदी शुरू कर दी है। केंद्रीय खास मंत्री राजनाथ सिंह ने विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा कि देश में अराजकता फैलाने की कोशिश हो रही है। लखनऊ में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि बांग्लादेश की तर्ज पर रिजीम चेंज की कोशिश हो रही है। इनका एकमात्र एजेंडा देश में आग लगाना है। ये अराजकता से सत्ता हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। राहुल गांधी समझे लोकतंत्र अराजकता से नहीं चलता है। देश के नौजवानों को अराजकता की राजनीति का मोहरा बनाने की कोशिश राजनाथ सिंह ने कहा, “दिल्ली में पिछले दिनों जो घटनाक्रम हुए, वो कई गंभीर सवाल खड़े करते हैं। ऐसा लगता है कि कांग्रेस और उनके राजनीतिक सहयोगी प्रत्यक्ष रूप से और अपने समर्थक संगठनों के माध्यम से युवाओं की उर्जा को रचनात्मक कार्यों और राष्ट्रनिर्माण की दिशा में लाने की जगह राजनीतिक टकराव और अरा.



जकता फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। देश के नौजवानों को अराजकता की राजनीति का मोहरा बनाने की कोशिश की जा रही है। बांग्लादेश की तर्ज पर शासन बदलने की प्रेरणा बांग्लादेश से ली है। तो दूसरा डके की चोट पर सरकार गिराने की बात करता है। यह साफ करता है कि इनका इकलौता एजेंडा लोकतांत्रिक संस्थाओं को ध्वस्त करना और देश में आग लगाना है। देश में अराजकता पैदा करके सत्ता हासिल करने की साजिश आगे उन्होंने कहा, “शासन बदलने जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया जा रहा है, इससे पता चलता है कि

उनकी लड़ाई चुनाव सुधार, ‘ए. ज्ञानेश कुमार, देश के नौजवानों के उज्जवल भविष्य के लिए नहीं है। उनकी लड़ाई देश में अराजकता पैदा करके सत्ता हासिल करने की उनकी साजिश है।” “राहुल गांधी को जनमत का सम्मान करना चाहिए” राजनाथ सिंह ने कहा, “मैं कहना चाहूंगा कि राहुल गांधी और उनके सहयोगियों को यह समझना होगा कि लोकतंत्र अराजकता फैलाना, संवैधानिक संस्थाओं की साथ पर चोट करने या भारत की विकास यात्रा में बाधा डालने का लाइसेंस नहीं है। सर्वोच्च न्यायालय के कल की टिप्पणी भी मैं समझता हूँ कि इसी और एक संकेत है। कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए कानून का सम्मान करना भी जरूरी है। राहुल गांधी को लोकतंत्र की रक्षा के नाम पर व्यवधान की राजनीति करने के बजाय जनमत का सम्मान करते हुए अपनी राजनी. तिक भूमिका पर आत्ममंथन करना चाहिए. यह मेरी राहुल गांधी को सलाह है।” खबर अपडेट हो रही है...

‘ए को लेकर फैलाई जा रही अफवाहों को काउंटर करेगी उश्च, देशभर में शुरू होगा अभियान

नई दिल्ली: एसआईआर को लेकर विपक्ष की ओर से लगातार प्रदर्शन किया जा रहा है। इस बीच भारतीय जनता पार्टी इसे काउंटर करने की तैयारी में है। बीजेपी अगले हफ्ते से एक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू करने वाली है। बीजेपी के इस अभियान का मकसद कांग्रेस द्वारा मतदाता सूची के ‘विशेष गहन पुनरीक्षण’ (ए) और भारत निर्वाचन आयोग के बारे में किए जा रहे उन दावों का जवाब देना है, जिन्हें बीजेपी ‘गुमराह करने वाला’ मानती है। विपक्ष को जवाब देने की तैयारी इस अभियान के तहत, बीजेपी जनता के सामने तथ्य रखेगी ताकि ‘ए और निर्वाचन आयोग के कामकाज को लेकर विपक्ष द्वारा उठाए गए सवालों और आरोपों का जवाब दिया जा सके। पार्टी के सांसदों, विधायकों और अन्य वरिष्ठ नेताओं को अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में इस



अभियान को लोगों तक पहुंचाने की जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। जनता से करेंगे संपर्कबीजेपी के शीर्ष सूत्रों के अनुसार, पार्टी 24 एननों का एक विस्तृत दस्तावेज तैयार कर रही है, जिसमें विपक्ष के सवालों और आरोपों के जवाब दिए गए हैं। यह दस्तावेज पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के लिए जनसंपर्क गतिविधियों के दौरान एक संदर्भ सामग्री का काम करेगा। इस अभियान को सोशल मीडिया और अन्य संचार माध्यमों के जरिए भी

चलाया जाएगा, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचा जा सके और इस मुद्दे पर पार्टी का पक्ष रखा जा सके। विपक्ष की घटनाओं को भी करेंगे उजागरविपक्ष के मौजूदा आरोपों का जवाब देने के साथ-साथ, बीजेपी उन घटनाओं को भी उजागर करने की योजना बना रही है, जिनमें उसका आरोप है कि कांग्रेस ने सत्ता में रहते हुए निर्वाचन आयोग और अन्य संस्थाओं का दुरुपयोग किया था। पार्टी इन उदाहरणों का इस्तेमाल कांग्रेस की आलोचना का जवाब देने और जनता के सामने अपना पक्ष रखने के लिए करेगी। ‘ए को लेकर विपक्ष और सरकार आमने-सामने इस अभियान में देश भर के पार्टी नेताओं और संगठनात्मक इकाइयों के समन्वित

पदक लाओ, पद पाओ के तहत यूपी में खिलाड़ियों की सीधी भर्ती: मुख्यमंत्री



पदक लाओ, पद पाओ !

लखनऊ: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश की जनता को शारदीय नवरात्रि के षष्ठी तिथि की बधाई देते हुए आस्था, विकास व विश्वास के जरिए राज्य में आए बदलाव से रुबरु कराते हुए कहा कि प्रदेश में अब पदक लाओ, पद पाओ के तहत खिलाड़ियों की सीधी भर्ती हो रही है. शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर सभा सरकार के कार्यकाल पर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में नय और अराजकता का ऐसा माहौल था कि बेटियों के

सपनों पर पहरे, हीसलों पर बंदिशें और प्रतिभा अवसर के अभाव में दम तोड़ने को मजबूर थी. उस समय खेल के मैदान माफिया के कब्जे में थे. मुख्यमंत्री ने 2017 के बाद आए बदलाव का जिक्र करते हुए कहा कि विगत साढ़े 9 वर्षों में मय का स्थान सुरक्षा ने लिया है, उपेक्षा का स्थान प्रोत्साहन ने लिया है. संसाधनों के अभाव का स्थान खेल सुविधाओं के विस्तार ने लिया है. पदक लाओ पद पाओ के तहत सीधी भर्ती जैसी सुविधामुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में जोलपिक, कॉमनवेल्थ एवं एशियन गेम्स के पदक विजेताओं को

ताखों-करोड़ों के पुरस्कार और पदक लाओ पद पाओ के तहत सीधी भर्ती जैसी सुविधाएं दी जा रही हैं. सरकार खिलाड़ियों की प्रतिभा को प्रोत्साहन, उपलब्धियों को सम्मान और भविष्य को सुरक्षा प्रदान कर रही है. उन्होंने कहा कि एथलेटिक्स में पारुल चौधरी, प्रियंका गोरखामी, प्राची चौधरी और अन्नू रानी, जुडो में अस्मिता डे, क्रिकेट में दीप्ति शर्मा और मेघना सिंह, हॉकी में वंदना कटारिया, कुश्ती में दिव्या काकरान ने कॉमनवेल्थ एवं एशियन गेम्स में शानदार प्रदर्शन से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश और प्रदेश का गौरव बढ़ाया है.

सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी को लगाई फटकार, परिसर के अंदर नारेबाजी और हंगामे को लेकर जारी किया नोटिस

कांग्रेस नेता राहुल गांधी और विपक्षी गठबंधन के अन्य नेताओं के सुप्रीम कोर्ट परिसर पहुंचने के दौरान हुई नारेबाजी और कथित हंगामे मामले में आज सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी को इस मामले में फटकार लगाई। साथ ही नोटिस भी जारी किया है। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीए) सुर्यकांत ने राहुल गांधी के सुप्रीम कोर्ट मार्च का जिक्र करते हुए कहा, “न्यायपालिका को कोई धमका नहीं सकता।” सुप्रीम कोर्ट ने आज राहुल गांधी और अन्य इंडिया ब्लॉक नेताओं द्वारा वायर उन याचिकाओं पर सुनवाई की, जिनमें ‘ए से संबंधित निर्णयों को लेकर भारतीय चुनाव आयोग (म्ब) के कामकाज पर सवाल उठाए गए थे। कोर्ट परिसर में जो हुआ, उससे बकील आइलसुप्रीम कोर्ट में हुए विरोध प्रदर्शन का मुद्दा सौलिसिटर जनरल तुषार मेहता और सीनियर बकील गौरव भाटिया द्वारा उठाए जाने के बाद कोर्ट ने संक्षिप्त टिप्पणी की। सीनियर बकील गौरव भाटिया ने कहा कि कोर्ट परिसर में जो हुआ, उससे बकील आहत हैं और 200 वकीलों ने सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (ब्लड) को लिखी है। उन्होंने आरोप लगाया कि कोर्ट को धमकाने की को. शिश की गई। इस पर ब्लड ने दो टुक कहा कि के कमजोर प्रयास हैं जिन पर कोई ध्यान नहीं देता। बाहर ये बयान देते हैं। हम कोई अलग-थलग जगह पर नहीं बैठे हैं, हमें भी सीजा. की जानकारी है।” सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि इंडिया ब्लॉक के विरोध प्रदर्शन के दौरान अदालत परिसर में लगे



सीसीटीवी फुटेज को सुरक्षित रखा जाए। 12 अक्टूबर को विपक्ष ने निक. ला था सुप्रीम कोर्ट तक मार्च विपक्षी दलों ने निकाला था सुप्रीम कोर्ट मार्चमालूम हो कि 12 अक्टूबर (सोमवार) को राहुल गांधी के नेतृत्व में विपक्षी दलों के नेताओं ने चुनाव आयोग और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (ए) से जुड़े मुद्दों को लेकर सुप्रीम कोर्ट तक मार्च निकाला था। इस दौरान राहुल गांधी समेत कई विपक्षी नेताओं ने ‘ए और ज्ञानेश कुमार के खिलाफ याचिकाएं दायर कीं। इस दौरान कोर्ट परिसर में बड़ी संख्या में लोग जुटे थे। कोर्ट के अंदर ही नारेबाजी की गई थी।

“ये कमजोर प्रयास हैं जिन पर कोई ध्यान नहीं देता। बाहर ये बयान देते हैं। हम कोई अलग-थलग जगह पर नहीं बैठे हैं, हमें भी सीजा की जानकारी है।” सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि इंडिया ब्लॉक के विरोध प्रदर्शन के दौरान अदालत परिसर में लगे सीसीटीवी फुटेज को सुरक्षित रखा जाए। 12 अक्टूबर को विपक्ष ने निक. ला था सुप्रीम कोर्ट तक मार्च विपक्षी दलों ने निकाला था सुप्रीम कोर्ट मार्चमालूम हो कि 12 अक्टूबर (सोमवार) को राहुल गांधी के नेतृत्व में विपक्षी दलों के नेताओं ने चुनाव आयोग और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (ए) से जुड़े मुद्दों को लेकर सुप्रीम कोर्ट तक मार्च निकाला था। इस दौरान राहुल गांधी समेत कई विपक्षी नेताओं ने ‘ए और ज्ञानेश कुमार के खिलाफ याचिकाएं दायर कीं थी। इस दौरान कोर्ट परिसर में बड़ी संख्या में लोग जुटे थे। कोर्ट के अंदर ही नारेबाजी की गई थी।

राजन्ना सिरिसिल्ला जिले के वेमुलावाड़ा ग्रामीण तहसील कार्यालय के तहसीलदार सह संयुक्त उप-पंजीयक (श्रवपदज 'नइ-त्महपेजतंत) और एक निजी व्यक्ति ाढ के जाल में फंसे।

अमीर हुसैन, क्राइम ब्यूरो चीफ राजन्ना सिरिसिल्ला जिले के वेमुलावाड़ा ग्रामीण तहसील कार्यालय के तहसीलदार सह संयुक्त उप-पंजीयक, श्री मो. अब्दुलकर (1-1) को कशमनगर रेंज के ाढ अधिकारियों ने तब पकड़ा, जब उन्होंने एक शिकायतकर्ता से 1-2 (श्री...) के माध्यम से 8,000 रुपये की रिश्वत मांगी और उसे स्वीकार किया। संकासला अनिल कुमार, एक निजी व्यक्ति (भू-भारती ऑफिसर), जो वेमुलावाड़ा ग्रामीण (राजन्ना सिरिसिल्ला जिला) कार्यालय से जुड़े हैं, पर आरोप है कि उन्होंने शिकायतकर्ता की दाची की कुंजी भूमि को शिकायतकर्ता के पिता के नाम पर 'गिफ्ट डीड' (उपहार विलेख) के जरिए पंजीकृत करने में मदद करने के बदले रिश्वत ली। आरोपी-2 (1-2) के पास से 8,000 रुपये की रिश्वत की रकम बरामद की गई है। इस प्रकार, आरोपी-1 (1-1) ने अनुचित लाभ प्राप्त करने के लिए अपने कर्तव्यों का पालन गलत तरीके से और बेईमानी से किया इसलिए, आरोपी-1 और आरोपी-2 को न्यायिक रिमांड के लिए कशमनगर में छ और ाढ मामलों के माननीय प्रधान विशेष न्यायाधीश के समक्ष पेश किया जा रहा है। मामले की जांच चल रही है। सुरक्षा कारणों से शिकायतकर्ता का विवरण गुप्त रखा गया है। सेल फोन नंबर - 1064 (टोल-फ्री नंबर)।



यदि कोई लोक सेवक (सरकारी कर्मचारी) रिश्वत की मांग करता है, तो आम जनता से अनुरोध है कि वे कानून के अनुसार कार्रवाई करने के लिए ाढ के टोल-फ्री नंबर 1064 पर संपर्क करें। ाढ तेलंगाना से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म - व्हाट्सएप (94404446106), फेसबुक (जमसंदहंद ाढ) और * (पूर्व में ट्विटर - जमसंदहंद ाढ) के माध्यम से भी संपर्क किया जा सकता है। ाढ तेलंगाना से संपर्क करने के लिए सभी सरकारी कार्यालयों और प्रमुख सार्वजनिक स्थानों पर ाढ का फन कोड भी लगाया गया है। शिकायतकर्ताधर्मित का नाम और विवरण पूरी तरह से गुप्त रखा जाएगा।

पी.आर.ओ., भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (ाढ), तेलंगाना, हैदराबाद।

देश में अराजकता पैदा कर सत्ता हासिल करना चाहती है कांग्रेस : राजनाथ सिंह

लखनऊ: केंद्रीय रक्षा मंत्री और लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कांग्रेस पर खुल कर हमला बोला. उन्होंने कहा कि दिल्ली में पिछले दिनों जो घटनाक्रम हुए, वह कई गंभीर सवाल कर खड़े करते हैं. ऐसा लगता है कि कांग्रेस और उनके राजनीतिक सहयोगी प्रत्यक्ष रूप से और अपने समर्थक दलों और संगठनों के जरिए युवाओं की उर्जा को रचनात्मक कार्यों और राष्ट्र निर्माण की दिशा में लाने की जगह राजनीतिक टकराव और अराजकता फैलाने की कोशिश कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि नौजवानों को अराजकता की राजनीति का मोहरा बनाने की कोशिश की जा रही है. भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कांग्रेस पर बड़ा हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस व उसके सहयोगी संगठन बांग्लादेश की तरफ पर शासन बदलना चाहते हैं और एक प्रेस वार्ता में खुलकर कहते हैं कि उसने शासन बदलने की प्रेरणा बांग्लादेश से ली है. तो दूसरा डंके की चोट पर सरकार गिराने की बात करता है. उन्होंने कहा कि वह साफ करता है कि इनका इकलौता एजेंडा लोकतांत्रिक संस्थाओं को ध्वस्त करना और देश में आग लगाना है. शासन बदलने जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया जा रहा है, इससे पता चलता है कि उनकी लड़ाई चुनाव सुधार, एसआईआर, ज्ञानेश कुमार को लेकर नहीं है. उनकी लड़ाई देश में अराजकता पैदा करके सत्ता हासिल करने की उनकी साजिश है. उन्होंने कहा कि राहुल गांधी और उनके सहयोगियों को यह समझना होगा लोकतंत्र में अराजकता देश के विकास में बाधा है. सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी भी इसी दिशा में एक संकेत है. हमें टकराव नहीं राष्ट्र निर्माण का मार्ग चुनना है. राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत के संवैधानिक संस्थाओं की राजनीतिक बलि नहीं दी जा सकती है. अराजकता के सारे देश के विकास को बाधित नहीं किया जा सकता है. राहुल को आत्म मंथन करना चाहिए उन्होंने कहा कि हमें टकराव नहीं राष्ट्र निर्माण का मार्ग चुनना है.

कांग्रेस गिनाए तीन अक्षय्य अपराध इस दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कांग्रेस के शासनकाल के तीन अक्षय्य अपराधों की चर्चा की. उन्होंने कहा कि 1975 में देश में इमरजेंसी लगाने का काम कांग्रेस ने किया. 1984 में कांग्रेस की संरक्षण में सिख नरसंहार हुआ, जबकि 1990 में राम भक्तों पर गोली चलवाने वालों को संरक्षण दिया. चौथा अपराध संविधान, संवैधानिक संस्थाओं को चोट पहुंचा कर किया जा रहा है. राजनाथ सिंह ने कहा कि आज संविधान को जब भी रखकर अराजकता फैलाने का काम किया जा रहा है. इलेक्शन कमीशन और देश की चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठाए जा रहे हैं. जबकि 1993 में चुनाव आयोग में अचानक कांग्रेस ने बदलाव करते हुए दो इलेक्शन कमिशनर नियुक्त कर दिए. इस बाबत तत्कालीन मुख्य चुनाव आयुक्त ने राष्ट्रपति को पत्र लिखकर नवीन चावला को हटाने की मांग भी की थी, क्योंकि चावला ने आयोग की जानकारी कांग्रेस से साझा की थी. बाद में, कांग्रेस ने उन्हें मुख्य चुनाव आयुक्त बनाया. कांग्रेस के समय एमएस गिल दो बार कैबिनेट में रहे.

लखनऊ में रोडवेज के ड्राइवर-कंडक्टरों का प्रदर्शन, बसों के पहिए थमने से यात्रियों की बढ़ी परेशानी



लखनऊ: उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग और यूपी रोडवेज की नीतियों से परेशान चालक - परिचालकों ने राजधानी लखनऊ के अवध बस स्टेशन पर बसों का संचालन ठप कर दिया. बसों के पहिए थमने से यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. दरअसल अवध वाहनों के संचालन के चलते रोडवेज को काफी घाटा उठाना पड़ रहा है. सरकारी बस की सवारियों को भी वो लोग छीन ले जाते हैं. संविदा के चालक परिव. ालक लोड फैक्टर नहीं ला पाते हैं तो उनसे रिकवरी होती है. इन्हीं सब मुद्दों को लेकर मंगलवार को चालक -परिचालकों का आक्रोश भड़क उठा. रोडवेज के चालक-परिचालकों का आरोप है कि बस स्टेशन के मुख्य द्वार के सामने किए गए डायवर्जन की वजह से परिवहन निगम की बसें यात्रियों तक नहीं पहुंच पा रही हैं. जिन रथानों पर रोडवेज बसों को यात्रियों को लेने के लिए पहुंचना चाहिए, वहां निजी बसें और प्राइवेट कारें पहुंच रही हैं. ऐसे हालात में परिवहन निगम के साथ साथ चालक-परिचालकों की आय पर भी असर पड़ रहा है. परिवहन विभाग के कर्मचारियों का आरोप है कि निर्धारित आय पूरी नहीं होने पर उनके बेतन से कटौती की जाती है. इसी कटौती को रोकने और 50 प्रतिशत आय की बाध्यता खत्म करने की मांग को लेकर ड्राइवर कंडक्टर लगातार विरोध जता रहे हैं. कर्मचारियों का आरोप है कि आला अधिकारी मौके पर नहीं पहुंच रहे हैं. पुलिस प्रशासन और कर्मचारियों के बीच लगातार तनातनी की स्थिति बनी हुई है. बसों का संचालन ठप होने से यात्रियों को सफर करने में मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है. वहीं हंगामा होने के बाद परिवहन निगम के अधिकारी अब कर्मचारियों की मांगों पर निर्णय लेने की बात कह रहे हैं. लखनऊ परिसर के क्षेत्रीय प्रबंधक विमल राजन का कहना है कि प्रदर्शन कर रहे चालक परिचालकों से बातचीत की जा रही है. बस संचालन जल्द शुरू कर दिया जाएगा. जहां तक अवध वाहनों की वजह से रोडवेज का संचालन प्रभावित होने की बात है तो संयुक्त अभियान चलाकर रोक लगाई जाएगी. ऐसे प्रभावी कदम उठाए जाएंगे जिससे रोडवेज को नुकसान न हो और चालक परिव. ालक की इनकम पर असर न पड़े. वहीं दूसरी ओर रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद उत्तर प्रदेश शाखा अवध डिवी में आंदोलन जारी रखने का निर्णय लिया है. यह निर्णय प्रबंधन के साथ द्विपक्षीय वार्ताओं में ठोस समाधान नहीं निकलने के बाद लिया गया. दरअसल लंबित समस्याओं के समाधान और कथित उत्पीड़नात्मक कार्रवाइयों पर रोक लगाने की मांग को लेकर ये वार्ता आयोजित की गई थी. परिषद के शाखा अध्यक्ष सुरेश कुमार वर्मा और मंत्री कान्तेश कुमार शर्मा ने बताया कि कर्मचारियों की लंबित समस्याओं और उनके खिलाफ की जा रही कथित उत्पीड़नात्मक कार्रवाइयों के संबंध में सात अक्टूबर को नोटिस जारी किया गया था. इसके बाद नौ अक्टूबर को द्विपक्षीय वार्ता हुई, लेकिन उसमें समस्याओं का निर्णायक समाधान नहीं हो सका. 12 अक्टूबर को दोबारा हुई वार्ता में भी कर्मचारियों की समस्याओं और पूर्व में बनी सहमतियों के अनुपालन को लेकर कोई ठोस आश्वासन

डिप्टी तहसीलदार, विलेज रेवेन्यू ऑफिसर VRO

- तहसीलदार कार्यालय, कीसारा मंडल, मेडचल-मलकाजगिरी जिला, और एक निजी व्यक्ति ाढ के हथ्थे पड़े
अमीर हुसैन, क्राइम ब्यूरो चीफ तहसीलदार कार्यालय, कीसारा मंडल, मेडचल-मलकाजगिरी जिला के डिप्टी तहसीलदार (1-1) श्री अमनगंती संधीप कुमार रेड्डी ने एक सरकारी काम करने के बदले 5,00,000 रुपये की रिश्वत मांगी। उन्होंने शिकायतकर्ता से रिश्वत की रकम का एक हिस्सा, यानी 2,50,000 रुपये, एक निजी व्यक्ति (1-2) श्री कपाली बालकृष्ण के जरिए स्वीकार किए। यह काम शिकायतकर्ता की मां और परिवार के सदस्यों के नाम पर दर्ज कृषि संपत्तियों को 'रजिस्ट्रेशन एक्ट, 1908' की धारा 22-1 के तहत 'निषिद्ध सूची' (धार्मिक/प्रत्यक्ष रूप से) से हटाने से संबंधित था। इसके अलावा, 1-1 के निर्देश पर, तहसीलदार कार्यालय, कीसारा मंडल, मेडचल-मलकाजगिरी जिला के विलेज रेवेन्यू ऑफिसर (1-3) श्री नन्नीरी विजय कुमार रेड्डी ने 1-2 को शिकायतकर्ता से रिश्वत की रकम लेने के लिए उकसाया। नतीजतन, 1-2 ने शिकायतकर्ता से मांगी गई रिश्वत की रकम का एक हिस्सा, यानी 2,50,000 रुपये ले लिए, जिसके बाद उन्हें रंगा रेड्डी रेंज के ाढ अधिकारियों ने पकड़ लिया। 1-2 के पास से रिश्वत की 2,50,000 रुपये की रकम बरामद की गई। इस प्रकार, 1-1 और 1-3 ने अनुचित लाभ उठाने के लिए अपने कर्तव्यों का



पालन गलत तरीके से और बेईमानी से किया। इसलिए, 1-1, 1-2 और 1-3 को न्यायिक रिमांड के लिए नामपल्ली स्थित 'छ और ाढ मामलों के माननीय प्रधान विशेष न्यायाधीश (बापदबपचंस 'धमबपस अनकहम) के समक्ष पेश किया जा रहा है। मामले की जांच चल रही है। सुरक्षा कारणों से शिकायतकर्ता का विवरण गुप्त रखा गया है। सेल फोन नंबर - 1064 (टोल-फ्री नंबर) यदि कोई लोक सेवक (सरकारी कर्मचारी) रिश्वत की मांग करता है, तो आम जनता से अनुरोध है कि वे कानून के अनुसार कार्रवाई के

लिए ाढ के टोल-फ्री नंबर 1064 पर संपर्क करें। ाढ तेलंगाना से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म - व्हाट्सएप (94404446106), फेसबुक (जमसंदहंद ाढ) और * (पूर्व में ट्विटर - जमसंदहंद ाढ) के माध्यम से भी संपर्क किया जा सकता है। ाढ तेलंगाना से संपर्क करने के लिए सभी सरकारी कार्यालयों और प्रमुख सार्वजनिक स्थानों पर ाढ का फन कोड भी लगाया गया है। शिकायतकर्ता का नाम और विवरण पूरी तरह से गुप्त रखा जाएगा। पी.आर.ओ., भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (ाढ), तेलंगाना, हैदराबाद।

घाटकेसर ब बालास्वामी सस्पेंड!

अमीर हुसैन, क्राइम ब्यूरो चीफ सिरिल झगड़ों में दखलंदाजी, भ्रष्टाचार और खूट्टी में लापरवाही के आरोपों की जांच। मलकाजगिरी ब सुमति के आदेश पर कार्रवाई की गई है। ऑफिशियल घोषणा का इंतजार है। मलकाजगिरी, क्राइम प्रवक्ता घाटकेसर पुलिस स्टेशन के सर्कल इंस्पेक्टर (ब) बालास्वामी को सस्पेंड कर दिया गया है। ऐसा लगता है कि यह कार्रवाई सिरिल झगड़ों में दखलंदाजी, भ्रष्टाचार और खूट्टी में लापरवाही के आरोपों के मद्देनजर की गई है। मलकाजगिरी पुलिस कमिशनर सुमति के आदेश पर जांच की गई है। खबर है कि जांच के दौरान आरोप सही पाए जाने के बाद उन्हें सस्पेंड कर दिया गया। हालांकि, पुलिस डिपार्टमेंट की तरफ से अभी तक इस पर कोई ऑफिशियल घोषणा नहीं की गई है। पहले भी ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं। बहुत से लोगों को याद है कि पहले भी घाटकेसर के एक ब को सस्पेंड किया गया था, और वह भी दशहरा त्योहार के दौरान। एक और ब के खिलाफ की गई हालिया कार्रवाई पुलिस हलकों में चर्चा का विषय बन गई है।

ऑफिशियल घोषणा का इंतजार लोगों की हमेशा इस बात में दिलचस्पी रहती है कि पुलिस अधिकारी अपनी खूट्टी कैसे करते हैं,



वे नागरिकों के साथ कैसे पेश आते हैं और शिकायतों को कितनी पारदर्शिता से सुलझाते हैं। इस संदर्भ में, सभी को ब बालास्वामी के सस्पेंशन

के पूरे कारणों और डिटेल्स के बारे में पुलिस डिपार्टमेंट से ऑफिशियल क्लेरिफिकेशन का इंतजार है।

सावधान! बिना क्लिक किए ही मोबाइल में घुस रहा इजरायली जासूसी स्पाइवेयर

नई दिल्ली: एक इजरायली डिजिटल विज्ञापन एजेंसी द्वारा इंटरनेट यूजर्स को ट्रैक करने और उन पर स्पाइवेयर (जासूसी सॉफ्टवेयर) हमलों को आसान बनाने के लिए ऑनलाइन विज्ञापनों के कथित इस्तेमाल ने भारत के डिजिटल इकोसिस्टम की सुरक्षा पर नए सवाल खड़े कर दिए हैं। इस व्यवस्था में ऑनलाइन विज्ञापन, मोबाइल एप्लिकेशन और थर्ड-पार्टी एडवर्टाइजिंग नेटवर्क साइबर अपराधियों और निगरानी रखने वाले ऑपरेटरों के लिए संभावित एंटी पॉइंट बन सकते हैं। दो शोध संगठनों— कनाडा के 'सिटीजन लैब' और अमेरिका की एडवर्टाइजिंग सिक्वोरिटी फर्म 'कॉन्फिक्ट'— ने आरोप लगाया है कि इजरायली कंपनी 'डिस्कवर-टेक' ने इंटरनेट यूजर्स की पहचान करने और उन्हें ट्रैक करने के लिए एक बड़े विज्ञापन नेटवर्क का इस्तेमाल किया। कुछ मामलों में, इस नेटवर्क ने 'कैंडिल' नाम की एक इजरायली सर्विलांस टेक्नोलॉजी कंपनी द्वारा बनाए गए स्पाइवेयर को यूजर्स के डिवाइस तक पहुंचाने में मदद की। बता दें कि अमेरिकी सरकार ने 2021 में कैंडिल कंपनी को ब्लैकलिस्ट कर दिया था। उनकी रिपोर्ट के निष्कर्षों के अनुसार, डिस्कवर-टेक के विज्ञापन विभिन्न विज्ञापन साझेदारियों के माध्यम से 1,20,000 से अधिक वेबसाइटों और 75,000 एप्लिकेशनों तक पहुंचे। कथित तौर पर कुछ दुर्भावनापूर्ण विज्ञापन ऐसे थे, जो यूजर्स द्वारा उन पर बिना क्लिक किए ही उनके डिवाइस में स्पाइवेयर पहुंचा देते थे। रिपोर्ट के मुताबिक, इन नीतिगत उल्लंघनों के आरोपों के बाद गूगल और अन्य विज्ञापन तकनीक कंपनियों ने डिस्कवर-टेक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। भारत की डिजिटल सुरक्षा के लिए बढ़ी चेतावनी हालांकि इस जांच में 'डिस्कवर-टेक' और भारत में हुए किसी साइबर हमले के बीच कोई सीधा संबंध स्थापित नहीं हुआ है, लेकिन ये निष्कर्ष सुरक्षा से जुड़ी एक बड़ी चिंता को रेखांकित करते हैं। इसके अनुसार— यूजर्स की निगरानी करने,



महत्वपूर्ण टारगेट की पहचान करने और उनके डिवाइस पर हमलों को आसान बनाने के लिए डिजिटल विज्ञापन के बुनियादी ढांचे का गलत इस्तेमाल किया जा सकता है। जोखिम प्रबंधन और कंसल्टिंग कॉरपोरेशन 'लैसर्स नेटवर्क लिमिटेड' के पेयरमैन और जाने-माने साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ कुंवर विक्रम सिंह ने कहा, "भारत के लिए, जहां सरकारी सेवाएं, वित्तीय लेनदेन, व्यापार और रोजगारों की बातचीत तेजी से डिजिटल प्लेटफॉर्म पर निर्भर हो रही है, यह मुद्दा केवल पारंपरिक ऑनलाइन धोखाधड़ी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह संवेदनशील जानकारी और महत्वपूर्ण डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर की सुरक्षा से जुड़ा है।" कुंवर विक्रम सिंह, पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर के आंतरिक सुरक्षा सलाहकार भी रह चुके हैं। उन्होंने आगे कहा कि भारत को अपनी सुरक्षा के दुश्मन देशों और ताकतों से बहुत बड़े पैमाने पर अलग-अलग रूपों में साइबर खतरों का सामना करना पड़ रहा है। भारत में पहले भी ऐसे मामले सामने आ चुके हैं जहां विज्ञापनों और ऑनलाइन प्रचार अभियानों का

गलत इस्तेमाल खतरनाक और फर्जी एप्लिकेशनों को फैलाने के लिए किया गया है। सितंबर 2026 में, केंद्रीय गृह मंत्रालय के तहत काम करने वाले भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (4वें) ने फेसबुक और इंस्टाग्राम पर दिखाए जाने वाले खतरनाक एंड्रॉइड एप्लिकेशनों के जरिए होने वाली वित्तीय धोखाधड़ी में तेजी से बढ़ोतरी दर्ज की थी। एक आधिकारिक एडवाइजरी के अनुसार, इन एप्लिकेशनों का प्रचार नाइट प्ले (छपछप प्ले), रीलू (रिजलू), किस (किल), विमो (टफ्ट), रिवो (रिप), नेक्सो (छमम) और विक्सा (टप) जैसे नामों से किया जा रहा था। यूजर्स को इन एप्लिकेशनों की पैकेज फाइल को बाहरी वेबसाइटों से डाउनलोड करने के लिए उकसाया जाता था। एक बार इंस्टॉल होने के बाद, इनमें से कुछ एप्लिकेशन डिवाइस की 'एक्सेसिबिलिटी परमिशन' का गलत फायदा उठाते थे, इससे वे डिवाइस पर पूरा कंट्रोल हासिल कर लेते थे, यूजर्स की मर्जी के बिना पैसों का अवैध लेनदेन करते थे और डिलीट किए जाने का भी विरोध करते थे। कुंवर

यूपी में 68 हजार ग्राम प्रहरियों का मानदेय बढ़ाया कासगंज में 582 ग्राम प्रहरियों का सम्मान, कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा भी मिलेगी



कासगंजध्वागपत : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश भर के लगभग 68 हजार ग्राम प्रहरियों के लिए एक बड़ा और ऐतिहासिक कदम उठाया गया है। इसी कड़ी में कासगंज जनपद की पुलिस लाइन में भी एसपी कासगंज के कुशल नेतृत्व में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस समारोह में जिले के समस्त 582 ग्राम प्रहरियों को आमंत्रित कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री के वरुअल संबोधन को सभी ग्राम प्रहरियों ने बेहद ध्यान से सुना। मुख्यमंत्री की ओर से ग्राम प्रहरियों के मासिक मानदेय में 40 प्रतिशत की अमूलपूर्व वृद्धि की घोषणा की गई है, जिसके तहत अब मानदेय ₹2500 से बढ़ाकर ₹3500 कर दिया गया है। कासगंज में 582 ग्राम प्रहरियों का सम्मान (टपकमव बतमकपज: म्जट ठीतंज) जिलाधिकारी प्रणय सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा बरेली पुलिस लाइन के माध्यम से और देश भर के 68 हजार ग्राम प्रहरियों का सम्मान समारोह किया गया, जिसमें उनका जो मासिक मानदेय होता है, उसमें 40% की अमूलपूर्व वृद्धि करते हुए ₹2,500 से ₹3,500 कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि हमारे जनपद पुलिस लाइन में भी एसपी कासगंज के नेतृत्व में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया और पूरे जनपद से समस्त ग्राम प्रहरी आए हैं। साथ ही साथ मुख्यमंत्री का उद्बोधन को सबने सुना और उनके जो निर्देश हैं कि सजग रहकर शासन-प्रशासन का सहयोग करना है, उसको भी सबने अभिभूत किया है। जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने दी जानकारी, (टपकमव बतमकपज: म्जट ठीतंज) उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में बताया कि ग्राम प्रहरी जो सुरक्षा व्यवस्था, कानून व्यवस्था है, उसकी अंतिम कड़ी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। महात्मा गांधी का भी संकल्प था कि पुलिस प्रशासन में जो भी अंतिम रूप से खड़ा हुआ है, उसके वेलफेयर में कार्य किया जाए। उन्होंने बताया कि पांच लाख रुपये की कैशलेस सुविधा भी दी गई है, इससे मानदेय में वृद्धि हुई है। जिले में जो भी ग्राम प्रहरियों के पद खाली हैं, वह भी जल्द भरे जाएंगे। पुलिस अधीक्षक पूर्णन्दु सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री की प्रेरणा से पुलिस

वन विभाग ने बताया कि बाघ का शावक शायद बीमार है। वह पिछले कई दिनों से गांव के आस पास घूम रहा था।



मयूरभंज: ओडिशा के मयूरभंज जिले में एक बाघ का शावक को गांव के आस-पास देखा गया। यह शावक गांव के एक घर में घुस गया। गांव वालों ने उसे अंदर जाते देख घर का दरवाजा तुरंत बंद कर दिया और इसकी सूचना करंजिया वन विभाग को दी। सूचना मिलने पर करंजिया वन विभाग के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर बाघ को बच्चे को बचाया और उसे सुरक्षित जगह पर ले गए। विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जिस जंगली जानवर के शावक को लोगों ने घर के अंदर बंद करके रखा था वह असल में रॉयल बंगाल टाइगर है। पहाड़ जगहमत नंड़ु लैनबनमक जिमत ठमपदह स्वबामक प्दपकम टपससंभम भ्वनेम पद डलनतडींदररॉयल बंगाल टाइगर का शावक दिखा (म्जट ठीतंज) वन विभाग को शक है कि बाघ का शावक मयूरभंज जिले के करंजिया वन विभाग के ठाकुरमुंडा रेंज के खापरखाई गांव में बीमारी की वजह से तीन दिनों से घूम रहा है। इस बारे में करंजिया वन विभाग के अधिकारी अजय कुमार साहू ने कहा कि कल एक बाघ का शावक एक व्यक्ति के घर में घुस गया था। घर में एक खतरनाक जंगली जानवर के शावक को देख लोगों ने तुरंत घर का दरवाजा बंद कर दिया, जिससे शावक घर के अंदर कैद हो गया। उन्होंने कहा कि काफी कोशिशों के बाद शावक को आखिरकार बचा लिया गया। खुशकिस्मती से इस शावक ने किसी इंसान को नुकसान नहीं पहुंचाया। उन्होंने बताया कि यह एक रॉयल बंगाल टाइगर है। शक है कि यह बीमारी की वजह से गांव में घूम रहा है। ऐसे में रॉयल बंगाल टाइगर के इस शावक को इलाज के लिए कर दिया। जिससे शावक घर के अंदर कैद हो गया। उन्होंने कहा कि काफी कोशिशों के बाद शावक को आखिरकार बचा लिया गया। खुशकिस्मती से इस शावक ने किसी इंसान को नुकसान नहीं पहुंचाया। उन्होंने बताया कि यह एक रॉयल बंगाल टाइगर है। शक है कि यह बीमारी की वजह से गांव में घूम रहा है। ऐसे में रॉयल बंगाल टाइगर के इस शावक को इलाज के लिए कर दिया। जिससे शावक घर के अंदर कैद हो गया। उन्होंने बताया कि बाघीपदा से एक वेटनरी डॉक्टर

अभिजीत दीपके को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लिया, 'लहरा दो तिरंगा' मार्च में जा रहे थे कर्नाट प्लेस

ग्राराजधानी के कर्नाट प्लेस स्थित सेंट्रल पार्क में आयोजित होने वाले 'लहरा दो तिरंगा' मार्च से ठीक पहले पुलिस ने सख्त रुख अपनाते हुए कॉन्फेच जनता पार्टी (क्षत्र) के संस्थापक अभिजीत दीपके को हिरासत में ले लिया है। पुलिस प्रशासन ने कानून-व्यवस्था, सुरक्षा मानकों और इलाके में लागू पाबंदियों का हवाला देते हुए यह कदम उठाया है। अभिजीत दीपके और उनके सहयोगी अपने गिरफ्तार साथियों की रिहाई की मांग और उनके विरोध में कर्नाट प्लेस के सेंट्रल पार्क से 'लहरा दो तिरंगा' मार्च निकालने की तैयारी में थे। मार्च के जरिए वे सार्वजनिक रूप से विरोध जताने और शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने का दावा कर रहे थे। हालांकि, कार्यक्रम के शुरू होने से पहले ही दिल्ली पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंचकर अभिजीत दीपके को रोक दिया और सानी ब्रांसी रोड स्थित जिस आवास में अभिजीत दीपके रुके थे, वहां से उन्हें हिरासत में ले लिया। बीते छह दिनों में यह दूसरी बार है जब अभिजीत को हिरासत में लिया गया है। सुरक्षा के कड़े इंतजाम और छकड़ का फैसलाआयोजन की संवेदनशीलता और लुटियंस दिल्ली के प्रमुख व्यावसायिक व सार्वजनिक केंद्र कर्नाट प्लेस में किसी भी प्रकार की अव्यवस्था से बचने के लिए प्रशासन ने पहले ही एहतियाती कदम उठा लिए थे। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद ने सुरक्षा और कानून-व्यवस्था का हवाला देते हुए सेंट्रल पार्क को दो दिनों के लिए आम



जनता और किसी भी प्रकार की गतिविधियों के लिए पूरी तरह बंद कर दिया था। इसके साथ ही, स्थानीय पुलिस प्रशासन ने क्षेत्र में लागू भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (उछे) की धारा 163 (पूर्व में सीआरपीसी की धारा 144) का हवाला दिया। पुलिस अधिकारियों का स्पष्ट कहना था कि इलाके में किसी भी प्रकार के अनधिकृत जुलूस, सभा या प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी गई थी। सुरक्षा स्थिति को देखते हुए कर्नाट प्लेस और आसपास के इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया

गया था, ताकि शांति व्यवस्था कायम रखी जा सके। किसी भी विरोध प्रदर्शन के लिए पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य होता है, विशेषकर कर्नाट प्लेस जैसे व्यस्त और संवेदनशील इलाकों में। धारा 163 लागू होने के कारण किसी भी समूह को एक जगह एकत्रित होने या मार्च निकालने की इजाजत नहीं थी। जब आयोजकों ने चेतावनियों के बावजूद आगे बढ़ने का प्रयास किया, तो पुलिस को कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए उन्हें एहतियातन हिरासत में लेना पड़ा।

कूनों से दुःखद खबर, चीता आशा के 8 माह के शावक की मौत, भारत में बचे 53 चीते

श्यापुर: श्यापुर के कूनों नेशनल पार्क में चीतों की निगरानी के दौरान एक दुःखद खबर सामने आई है। नाबीविया से लाई गई मादा चीता आशा के पांच शावकों में से एक की मौत हो गई है। करीब आठ माह के शावक का शव सोमवार को पार्क में मिला। शावक की मौत किस वजह से हुई, फिलहाल इसका पता नहीं चल सका है। चीता के 8 माह के शावक की मौत वन विभाग को पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है, जिसके बाद ही मौत के कारणों की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। कूनों नेशनल पार्क के डिप्टी डायरेक्टर आर. थिरुकुरल ने 12 अक्टूबर 2026 को प्रेस नोट जारी कर शावक की मौत की जानकारी दी। सुबह की निगरानी चार शावक दिखे, पांचवें की तलाश में जुटा अमलाप्रेस नोट के मुताबिक, सोमवार सुबह नियमित निगरानी के दौरान मादा चीता आशा अपने पांच शावकों में से केवल चार



के साथ दिखाई दी। एक शावक के नजर नहीं आने पर वन विभाग की टीम ने उसकी तलाश शुरू की। काफी खोजबीन के बाद लापता शावक मृत अवस्था

में मिला। वन विभाग के मुताबिक, पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही मौत की वजह का पता चल सकेगा। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि शावक की मौत किस परिस्थितियों में हुई। छंउपइपंद थंडसम भेममजी ११ कपमे मादा चीता आशा के पांच शावकों में से एक की मौत (म्जट ठीतंज) कूनों में 53 चीते, भारत में कुल संख्या 59 डिप्टी डायरेक्टर आर. थिरुकुरल की ओर से जारी प्रेस नोट के अनुसार, "शावक की मौत के बाद कूनों नेशनल पार्क में चीतों की संख्या 53 रह गई है। इनमें भारत में जन्मे 40 चीते शामिल हैं। कूनों में मौजूद चीतों में से 15 फिलहाल जंगल में स्वतंत्र रूप से विचरण कर रहे हैं।"

सऊदी अरब पर हमलों के बीच अजीत डोभाल ने ईरान के 'मबनतपजल बीपम' से बात की, क्षेत्रीय सुरक्षा पर मंथन

नई दिल्ली: राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सचिव मोहसिन रेजाई से फोन पर बात की है। जानकारी के मुताबिक डोभाल ने रेजाई से पश्चिम एशिया में मौजूदा सुरक्षा के हालात पर चर्चा की। क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम के साथ दोनों देशों के आपसी हितों से जुड़े मुद्दों पर भी दोनों के बीच विचारों का आदान-प्रदान हुआ। किन मुद्दों पर हुई चर्चा? भारत में ईरानी दूतावास ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए बातचीत की जानकारी दी। दूतावास के मुताबिक, दोनों ने क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम तथा आपसी हितों के मुद्दों पर चर्चा की। हालांकि, भारत सरकार की ओर से इस बातचीत को लेकर आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। सूत्रों के मुताबिक सऊदी अरब पर हुए ताजा हमलों पर भी बात हुई। खासतौर पर सऊदी अरब के एयरपोर्ट्स पर हुआ हमला, जिसमें एक भारतीय की भी मौत हो गई थी। सऊदी अरब के रियाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हुए एक बड़े हमले में 12 लोगों की मौत हो गई जबकि 300 लोग घायल हो गए। भारत ने इस हमले की कड़ी निंदा की थी। भारत ने साफ तौर पर कहा था कि सऊदी अरब में नागरिकों और नागरिक बुनियादी ढांचों पर बार-बार किए जा रहे हमले पूरी तरह से अस्वीकार्य हैं। इन्हें तत्काल रोकना चाहिए। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में शिप पर हमलों से भारत चिंति, तहालाकि डोभाल और रेजाई के बीच हुई बातचीत पर भारत की तरफ से कोई ऑफिशियल बयान नहीं आया है। भारत लगातार बातचीत और डिप्लोमेसी के जरिए वेस्ट एशिया संकट के सॉल्यूशन की मांग करता रहा है। भारत ओमान की खाड़ी और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में मर्वैट शिप पर हो रहे हमलों को लेकर भी चिंतित है। क्योंकि इनसे भारतीय नाविक, ई की सुरक्षा पर खतरा पैदा हो रहा है। रविवार को डच पेट्रो डॉल्लिफन पर हमला विदेश मंत्रालय (डम) के मुताबिक स्ट्रेट ऑफ

होर्मुज में रविवार को डच पेट्रो डॉल्लिफन नाम के एक कमर्शियल शिप पर हमला हुआ। इस शिप पर 11 भारतीय क्रू मंबर थे। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, 11 भारतीय नाविक, ई में से दो लापता बताए जा रहे हैं। शिप डच वाल्थेरा पर भी हमला एक और शिप डच वाल्थेरा पर भी हमला हुआ। यह जहाज एक एक अनजान प्रोजेक्टाइल से टकरा गया जिससे इसमें आग लग गई। विदेश मंत्रालय ने बताया कि डच वाल्थेरा पर सवार सभी 11 भारतीय नाविक सुरक्षित हैं। माना जा रहा है कि डोभाल और रेजाई के बीच बातचीत में मर्वैट शिप पर हमलों का मुद्दा भी उठा। ये भी पट्रॉइंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हुए एक बड़े हमले में 12 लोगों की मौत हो गई जबकि 300 लोग घायल हो गए। भारत ने इस हमले की कड़ी निंदा की थी। भारत ने साफ तौर पर कहा था कि सऊदी अरब में नागरिकों और नागरिक बुनियादी ढांचों पर बार-बार किए जा रहे हमले पूरी तरह से अस्वीकार्य हैं। इन्हें तत्काल रोकना चाहिए। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में शिप पर हमलों से भारत चिंतितहालाकि डोभाल और रेजाई के बीच हुई बातचीत पर भारत की तरफ से कोई ऑफिशियल बयान नहीं आया है। भारत लगातार बातचीत और डिप्लोमेसी के जरिए वेस्ट एशिया संकट के सॉल्यूशन की मांग करता रहा है। भारत ओमान की खाड़ी और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में मर्वैट शिप पर हो रहे हमलों को लेकर भी चिंतित है। क्योंकि इनसे भारतीय नाविकों की सुरक्षा पर खतरा



ओमान की खाड़ी और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में मर्वैट शिप पर हो रहे हमलों को लेकर भी चिंतित है। क्योंकि इनसे भारतीय नाविकों की सुरक्षा पर खतरा पैदा हो रहा है। रविवार को डच पेट्रो डॉल्लिफन पर हमला विदेश मंत्रालय (डम) के मुताबिक स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में रविवार को डच पेट्रो डॉल्लिफन नाम के एक कमर्शियल शिप पर हमला हुआ। इस शिप पर 11 भारतीय क्रू मंबर थे। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, 11 भारतीय नाविकों में से दो लापता बताए जा रहे हैं। शिप डच वाल्थेरा पर भी हमला एक और शिप डच वाल्थेरा पर भी हमला हुआ। यह जहाज एक एक अनजान प्रोजेक्टाइल से टकरा गया जिससे इसमें आग लग गई। विदेश मंत्रालय ने बताया कि डच वाल्थेरा पर सवार सभी 11 भारतीय नाविक सुरक्षित हैं। माना जा रहा है कि

झांसी में 100 साल पुरानी बस्ती खाली कराने का अल्टीमेटम, नोटिस से मचा हड़कंप, लोग बोले— अब कहाँ जाएंगे

झांसी : सदर बाजार थाना क्षेत्र में कुंज बाटिका के पीछे स्थित गणेश मडिया कैंटोनमेंट क्षेत्र में बस्ती खाली कराने को लेकर विवाद सामने आया है। यहाँ रहने वाले लोगों का आरोप है कि सेना के जवान दो दिन पहले बस्ती में पहुँचे और 15 व 16 अक्टूबर तक मकान खाली करने का अल्टीमेटम दिया। लोगों का कहना है कि यदि तय समय में मकान खाली नहीं किए गए तो बुलडोजर से घर गिराने की चेतावनी दी गई है। इससे बस्ती में रहने वाले करीब 40 परिवारों के सामने आवास का संकट खड़ा हो गया है। स्थानीय लोगों का दावा है कि वे कई दशकों से यहाँ रह रहे हैं और कुछ परिवारों की तीसरी व चौथी पीढ़ी इसी बस्ती में रह रही है। उनका कहना है कि वे कैंटोनमेंट बोर्ड में हाउस टैक्स भी जमा करते रहे हैं। इसके बावजूद मकान खाली करने के लिए नोटिस दिए जाने से परेशान हैं। लोगों ने जिला प्रशासन से शिकायत कर बस्ती खाली कराने की कार्रवाई रोकने की मांग की है। उनका कहना है कि उन्होंने अपने पुराने निवास और अन्य दावों से संबंधित दस्तावेज भी प्रशासन के सामने प्रस्तुत किए हैं। लोगों का कहना है कि उन्हें घर खाली करने के लिए बहुत कम समय दिया गया है। अपना सामान समेटकर दूसरी जगह जाना मुश्किल है। अचानक बेदखली की कार्रवाई से उनके सामने रहने का संकट पैदा हो गया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप जैन ने बस्ती वालों का समर्थन किया है। स्थानीय निवासी मुन्नी देवी ने बताया कि सेना के जवान मकान खाली करने के लिए कह रहे हैं। ऐसा नहीं करने पर बुलडोजर चलाने की बात कही गई है। मेरे पति बीमार और दिव्यांग हो गए हैं, ऐसे में परिवार को लेकर कहाँ जाऊँगी।



हरिकृष्ण ने बताया, बस्ती में करीब 40 मकान हैं। यहाँ रहने वाले परिवार लंबे समय से निवास कर रहे हैं और कई परिवारों की कई पीढ़ियाँ वहीं बीती हैं। उनका आरोप है कि सेना की ओर से 15 और 16 अक्टूबर तक मकान खाली करने की बात कही गई है। जवानों ने चेतावनी दी कि निर्धारित समय में मकान खाली नहीं किए गए तो बुलडोजर से घर गिरा दिए जाएंगे। मिमला ने बताया कि उन्हें इस जगह पर रहते हुए करीब 75 साल हो गए हैं। वह लंबे समय से यहाँ बनी झोपड़ी में रह रही हैं। मिमला का आरोप है कि सेना के जवान आए और उनसे नोटिस पर हस्ताक्षर कराकर दो दिन में जगह खाली करने की बात कहकर चले गए। सधिका ने बताया कि बस्ती के लोगों को मकान खाली करने के लिए नोटिस दिया गया है। उन्होंने

कहा कि छोटे-छोटे बच्चों और परिवार को लेकर कहाँ जाएंगे। स्थानीय लोगों ने यह भी दावा किया कि बस्ती में मंदिर की करीब साढ़े पाँच एकड़ जमीन है और उन्हें बेवजह परेशान किया जा रहा है। फिलहाल, बस्ती के लोग जिला प्रशासन से राहत की मांग कर रहे हैं। हालांकि, जमीन के स्वामित्व, संबंधित नोटिस के आधार और सेना की ओर से की जा रही कार्रवाई के संबंध में अधिकाधिक पक्ष सामने आना बाकी है। रक्षा संपदा के सहायक अभियंता देवेंद्र कुमार गोपाल ने बताया, मडिया मोहल्ला की जमीन झांसी छावनी स्थित जीएलआर सर्वे नंबर 120 की रक्षा भूमि रक्षा संपदा अधिकारी गोपाल सर्किल के प्रबंधन के अधीन है। रक्षा संपदा अधिकारी द्वारा सार्वजनिक परिसर अधिनियम, 1971 की धारा 5 (बी) की

अमित कश्यप हत्याकांडय मेरठ की कोर्ट ने पत्नी रविता और उसके प्रेमी को सुनाई फांसी की सजा

मेरठ: वेहसुमा थाना क्षेत्र के अकबरपुर सादात गांव में 18 महीने पहले हुए अमित कश्यप हत्याकांड मामले में कोर्ट ने फैसला सुनाया है। कोर्ट ने मृतक अमित कश्यप की पत्नी रविता कश्यप और उसके प्रेमी अमरदीप को भी फांसी की सजा सुनाई है। मेरठ की एडीजे 12 कोर्ट में सुनवाई हुई और एडीजे जयवीर सिंह नागर ने दोनों को सजा सुनाई। अकबरपुर सादात गांव की रविता और प्रेमी अमरजीत ने बेहद शांति तरीके से पति अमित को रास्ते से हटाने के लिए साजिश रची थी। दोनों ने हत्या के बाद उसके शव को सांप से डसवाया था। 13 अप्रैल 2025 की सुबह अमित कश्यप का शव उसके बिस्तर पर मिला था। उसके बिस्तर पर सांप भी मिला था। सांप अमित की कमर के नीचे इस तरह से दबा हुआ था, कि वह वहां से जा भी नहीं सकता था। अमित के शरीर पर साँप के काटने के लगभग 10 निशान भी थे। परिवार के लोगों ने समझा कि अमित की मौत साँप के काटने से हुई है। परिवार के लोगों ने शव का पोस्टमार्टम कराने का फैसला किया तो पत्नी रविता ने विरोध शुरू कर दिया। परिवार के लोगों से अमरजीत को, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में खुलासा हुआ था कि अमित



के शरीर में साँप का जहर था ही नहीं। उसकी मौत दम घुटने से हुई थी। यही से पुलिस के शक की सुई रविता की ओर घूम गई। पुलिस ने गहनता से मामले की जांच की। पीएम रिपोर्ट में कई खुलासे हुए थे। पता चला था कि गला इतनी तेजी से दबाया गया कि अमित गर्दन की हार्योइड हड्डी और थायरॉइड कार्टिलेज भी टूट गई थी। पुलिस ने

उसकी पत्नी की सीडीआर निकाली तो चौकाने वाली बात सामने आई। रविता और अमित के दोस्त अमरदीप के बीच वारदात को 24 घंटे के अंदर 51 बार फोन पर बातचीत हुई थी। जिसके बाद पुलिस ने सख्ती बरती और रविता पहले तो गुमराह करती रही, लेकिन बाद में टूट गई, उसने कबूल किया कि अपने पति के दोस्त अमरदीप से उसके अवैध

कोल इंडिया के उत्पादन में तेजी, डब्लू कोयला उत्पादन में टॉप, ठब्ब में भी 20: से ज्यादा वृद्धि, जानें अन्य अनुषंगी कंपनियों का प्रदर्शन



धनबाद: कोल इंडिया के सितंबर के उत्पादन आंकड़े जारी हो गए हैं। सितंबर में कंपनी ने 53.50 मिलियन टन कोयले का उत्पादन किया है, जो पिछले साल के मुकाबले 9.22 फीसदी अधिक है। खास बात यह है कि ब्रांस पदक की सात प्रमुख अनुषंगी कंपनियों में से ज्यादातर ने सितंबर में पिछले साल की तुलना में उत्पादन बढ़ाया है। धनबाद की ठब्ब ने भी कोयला उत्पादन में 20.71 फीसदी की वृद्धि दर्ज की है। वहीं डब्लू, ब्स् और ब्स् की वृद्धि इससे भी ज्यादा रही। नेशनल कोल द्वारा आंकड़े जारीकोल इंडिया के आधिकारिक छंजपवदस ब्रांस चतर्जस पर 30 सितंबर 2026 तक के आंकड़े जारी किए गए हैं। सितंबर में कोल इंडिया ने 53.50 मिलियन टन कोयले का उत्पादन किया है। कंपनी ने अपने सितंबर लक्ष्य 51.55 मिलियन टन के मुकाबले 103.77 फीसदी कोयले का उत्पादन किया है। सालाना तुलना में उत्पादन वृद्धि 9.22 फीसदी रही। अनुषंगी कंपनियों में कोयला उत्पादन कैसा रहा सबसे ज्यादा उत्पादन डीएनए ब्रांसपिमसके स्पउपजमक यानी डब्लू ने किया है। सितंबर में डब्लू का उत्पादन करीब 17.65 मिलियन टन रहा और इसमें 22.30 फीसदी की सालाना वृद्धि दर्ज की गई है। इसके बाद वैनजी मैजमतद ब्रांसपिमसके स्पउपजमक यानी ब्स् ने करीब 11.40 मिलियन टन कोयले का उत्पादन किया है। ब्स् के उत्पादन में करीब 6.1 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। वहीं छपतजीमतद ब्रांसपिमसके स्पउपजमक यानी छब्ल ने सितंबर में करीब 8.50 मिलियन टन कोयले का उत्पादन किया है। हालांकि छब्ल के उत्पादन में करीब 26 फीसदी की गिरावट दर्ज हुई। ब्रदजतस ब्रांसपिमसके स्पउपजमक यानी ब्ब का सितंबर उत्पादन 5.70 मिलियन टन रहा, कंपनी के उत्पादन में 27.48 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई, वहीं मैजमतद ब्रांसपिमसके स्पउपजमक यानी ब्ब ने करीब 4.10 मिलियन टन उत्पादन किया। ब्ब के उत्पादन में करीब 86.5 फीसदी की सबसे तेज वृद्धि दर्ज हुई। वहीं मैजमतद ब्रांसपिमसके स्पउपजमक यानी ब्ब ने सितंबर में करीब 3.52 मिलियन टन कोयले का उत्पादन किया है। ब्ब की सालाना वृद्धि 2.45 फीसदी रही। ठब्ब में 20.71 फीसदी उत्पादन बढ़ावहीं धनबाद की सबसे अहम कंपनी टीएनटी ब्रांसपिमसके स्पउपजमक यानी ठब्ब ने सितंबर में 2.57 मिलियन टन कोयले का उत्पादन किया है। कंपनी का लक्ष्य 2.52 मिलियन टन था। यानी ठब्ब ने अपने मासिक लक्ष्य का 101.69 फीसदी हासिल किया है। पिछले साल सितंबर की तुलना में ठब्ब का उत्पादन 20.71 फीसदी बढ़ा है। अनुषंगी कंपनियों के कोयला डिस्ट्रीब के आंकड़ेसितंबर में कोल इंडिया का कुल कोयला ऑफ्टेक 60.62 मिलियन टन रहा, जो पिछले साल के मुकाबले 12.38 फीसदी ज्यादा है। ऑफ्टेक में भी ब्ब ने सबसे तेज वृद्धि दर्ज की है। सितंबर में ब्ब का ऑफ्टेक करीब 5.77 मिलियन टन रहा, जो पिछले साल की तुलना में 92.18 फीसदी ज्यादा है। ब्ब का ऑफ्टेक 6.49 मिलियन टन रहा और इसमें 31.55 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। डब्लू ने 18.65 मिलियन टन कोयला डिस्ट्रीब किया, जिसमें 14.76 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। ठब्ब का सितंबर ऑफ्टेक 3.14 मिलियन टन रहा, जो पिछले साल की तुलना में 13.41 फीसदी ज्यादा है। अप्रैल से सितंबर तक

गोरखपुर को मिला हाईटेक साइबर थाना, अब डिजिटल ठगों की खैर नहीं

गोरखपुर: साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने और पीड़ितों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने के लिए गोरखपुर पुलिस को नया प्रशासनिक भवन मिल गया है। चरगावा में 4.88 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित भवन का शुक्रवार को एडीजी राम कुमार ने उद्घाटन किया। एडीजी ने नए भवन का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध तमाम सुविधाओं का जायजा लिया। इस मौके पर डीआईजी रंज एस. चन्नाप्पा, एसएसपी डॉ. कौस्तुभ, एसपी उत्तरी राज. श. गुनावत, एसपी ब्राइम अयोध्या प्रसाद सिंह, एसपी सिटी निधिष पाटील, सीओ कैप्ट अरुण कुमार, एस सीओ गोरखनाथ रवि सिंह, प्रतिसार निरीक्षक अभिचल पांडेय सहित अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। उद्घाटन के बाद एडीजी ने कहा कि चरगावा में तैयार नया भवन साइबर अपराधों की निस्तारण के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा। अब तक साइबर थाना पुलिस लाइन के पास स्थायी भवन नहीं था। सीमित जगह और संसाधनों के कारण पुलिसकर्मियों को कामकाज में दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। अब नए प्रशासनिक भवन में स्थानांतरित होने से साइबर अपराध की शिकायतें सुनने, उनकी जांच-पड़ताल करने और संबंधित मामलों में कार्रवाई करने में सहूलियत होगी। उद्घाटन से पहले उन्हें गार्ड ऑफ ऑनरनए भवन में बुधवार से ही कामकाज शुरू हो गया था। फरियादियों की शिकायतें सुनने के साथ ही मामलों की जांच-पड़ताल भी की जा रही है। चरगावा में नए भवन का शिलान्यास मुख्यमंत्री ने 19 अप्रैल 2025 को किया था। इसके बाद निर्माण कार्य पूरा होने पर मुख्यमंत्री ने 14 जून 2026 को इसका लोकार्पण किया था। अब एडीजी जोन राम कुमार ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना और उद्घाटन की औपचारिकता पूरी की है। साइबर थाने में वर्तमान में चार निरीक्षक, सात उपनिरीक्षक और महिला पुलिसकर्मियों सहित 14 सिपाही तैनात हैं। यह टीम साइबर अपराध से संबंधित शिकायतों की जांच, साक्ष्य जुटाने और मामलों में आवश्यक पुलिस कार्रवाई का काम करती है। ऑनलाइन ठगी, बैंक खातों से धोखाधड़ी और अन्य डिजिटल अपराधों से जुड़े मामलों में समय पर शिकायत दर्ज कराना तथा साक्ष्यों की जांच करना महत्वपूर्ण होता है। ऐसे में नए भवन में बेहतर कार्यस्थल और जरूरी सुविधाएं मिलने से पुलिसकर्मियों को अपनी जिम्मेदारियों के निर्वहन में सहूलियत मिलेगी।



ये 5 ऋण परेशानियों का बनते हैं कारण, जीवन सुख-शांति से बिताना है तो इन कर्ज को जरूर उतारें, शास्त्रों में बताया है महत्व

व्यक्ति का जीवन केवल उसके कर्मों तक सीमित नहीं माना गया है, बल्कि परिवार, देवी-देवताओं, ऋषियों और समाज के प्रति भी कुछ कर्तव्य बताए हैं। सनातन धर्म की मान्यताओं के अनुसार, जन्म लेते ही मनुष्य पर 6 तरह के ऋण माने जाते हैं। इन्हें पितृ, मातृ, देव, ऋषि और मनुष्य ऋण कहा गया है। मान्यता है कि इन दायित्वों को निभाने से जीवन में सुख-शांति बनी रहती है, वरना व्यक्ति को जीवनभर परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

1. मातृ ऋण का संबंध मां और उनके परिवार से माना जाता है। इसमें नाना-नानी, मामा-मामी, मौसा-मौसी और मातृ पक्ष की पूर्व पीढ़ियों को भी शामिल किया जाता है। धार्मिक मान्यता में मां को विशेष सम्मान दिया गया है। कहा जाता है कि माता का अपमान करना या उन्हें कष्ट पहुंचाना जीवन में परेशानियों का कारण बन सकता है। इसलिए माता और मातृ पक्ष के प्रति सम्मान और कर्तव्य निभाना जरूरी माना गया है।
2. पितृ ऋण में पिता के साथ दादा-दादी, ताऊ-घाघा और पूर्वजों की पीढ़ियों को शामिल किया जाता है। मान्यता है कि पूर्वजों के प्रति सम्मान और उनके निमित्त श्राद्ध-तर्पण करना संतान का दायित्व है। धार्मिक मान्यताओं में पितरों की उपेक्षा को परिवार में विभिन्न तरह की परेशानियों से जोड़ा गया है।
पितृ ऋण से जुड़े धार्मिक उपायों में श्रीमद्भागवत महापुराण का पाठ, हवन, तर्पण और पिंडदान आदि का

उल्लेख मिलता है। गया जी जाकर पितरों का श्राद्ध और पिंडदान करने

को आगे बढ़ाना इस ऋण को चुकाने का माध्यम माना जाता है। इसी



की भी परंपरा है।

3. देव ऋण का संबंध देवी-देवताओं और कुल देवता के प्रति कर्तव्य से माना जाता है। धार्मिक परंपरा में माता-पिता को प्रथम देवता कहा गया है। इसके बाद व्यक्ति अपने इष्ट देव और कुल देवता की पूजा करता है। मान्यता है कि नियमित रूप से देवी-देवताओं का स्मरण और पूजा करना इस ऋण के प्रति कर्तव्य निभाने का एक तरीका है।
4. ऋषि ऋण, जिस ऋषि के गोत्र से व्यक्ति का संबंध माना जाता है, उनके प्रति सम्मान को यह ऋण से जोड़ा गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, ऋषियों के ज्ञान और परंपरा

का रक्षण धार्मिक परंपराओं में ऋषि तर्पण और अपने गोत्र का स्मरण करने का महत्व बताया गया है।
5. मनुष्य ऋण का दायरा काफी व्यापक माना गया है। इसमें उन लोगों के प्रति कृतज्ञता शामिल है, जिन्होंने जीवन में किसी न किसी रूप में मदद, स्नेह या सहयोग दिया। पशु-पक्षियों और प्रकृति से मिलने वाले सहयोग को भी इससे जोड़ा जाता है। जरूरतमंद और असहाय लोगों की मदद करना, किसी का हक न छीनना और दूसरों के प्रति सदैव दनशील रहना इस ऋण को निभाने का एक तरीका बताया गया है।

हार्ट अटैक से बचने के लिए लाइफस्टाइल में जरूर करें ये विशेष बदलाव

आंकड़ों के मुताबिक, हमारे देश में हर साल 2.8 मिलियन लोग दिल की बीमारी से अपनी जान गंवा देते हैं। इनमें से 62 प्रतिशत लोग 40 से 69 साल की उम्र के बीच के होते हैं। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे (छब्बै) और सैपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम (ई) के डेटा से पता चलता है कि 2022 और 2024 के बीच होने वाली 60 प्रतिशत मौतें नॉन-कम्युनिकेबल बीमारियों की वजह से हुईं, जिनमें से 32 प्रतिशत मौतें दिल की बीमारी से हुईं। एक्सपर्ट्स का कहना है कि इस स्थिति को देखते हुए, दिल की बीमारी से बचाव के उपाय अपनाए जाने चाहिए। तो, आइए जानते हैं कि हार्ट अटैक से बचाव के लिए क्या करना चाहिए...हार्ट अटैक से बचने के लिए जीवनशैली में ये बदलाव करें

पर पड़ने वाला दबाव कम हो जाता जुम्बा, साल्सा और घर पर डांस करने



जैसी गतिविधियां, बशर्ते वे इतनी जोरदार हों कि आपको पसीना आ जाए, दिल के लिए फायदेमंद मानी जाती हैं योग स्ट्रेस कम करने में मदद करता है, जो दिल की बीमारी का एक बड़ा कारण है। यह दिल की सेहत बनाए रखने में मदद करता है। श्रद्धांतकमकन के अनुसार, दिल की बीमारी का खतरा कम करने में योग उतना ही असरदार है जितनी कि पारंपरिक एक्सरसाइज, जैसे कि तेजी से चलना। ये फीट चुनें ऑलिव ऑयल, कैनोला ऑयल, वीजेटेबल ऑयल, मूंगफली का तेल आदि ट्रांस-फैट-फ्री मार्जरीन कोलेस्ट्रॉल कम करने वाला मार्जरीन, जैसे बेनेकोल (उमदमबवस) नट्स, अंकुरित अनाज, एवोकाडो इन फैट का सेवन कम करें नारियल, कॉटनसीड और पाम कर्नल ऑयल जानकारों का कहना है कि संतुलित आहार लेना सेहत के लिए अच्छा है। दिल की सेहत के लिए फल, सब्जियां, साबुत अनाज और दालों को

प्राथमिकता देना फायदेमंद होता है, क्योंकि इनसे फाइबर, एंटीऑक्सीडेंट और हेल्दी फैट मिलते हैं। स्पेन, फ्रांस, इटली, ग्रीस, सीरिया और लेबनान जैसे देशों में मेडिटेरेनियन डाइट अपनाई जाती है, जिसमें कोलेस्ट्रॉल कम होता है। नवकंपोमकन के अनुसार, जो लोग मेडिटेरेनियन डाइट लेते हैं, उनमें ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल और ब्लड शुगर का लेवल कम रहता है, जिससे दिल की सेहत बेहतर

रहती है। दिल की सेहत के लिए संतुलित आहार जरूरी है। कैलोरी लेने और शारीरिक गतिविधि के बीच संतुलन होना चाहिए। शराब और स्मोकिंग से बचना चाहिए। वजन भी कंट्रोल में रखना चाहिए। नॉन-ट्रॉपिकल तेल, जैसे जैतून और सोयाबीन का तेल, इस्तेमाल करना चाहिए। साबुत अनाज जैसे पर्ल मिलेट, ज्वार, फॉक्सग्रेट मिलेट, रागी, हॉर्स ग्राम और सामा का सेवन फायदेमंद माना जाता है। नमक का सेवन कम करना चाहिए दू, डॉ. वी. श्रीहरिदत्त के अलावा, एक्सपर्ट्स रेड मीट, मक्खन, चीज, प्रोसेस्ड स्नैक्स और तली-भुनी चीजों का सेवन कम करने की सलाह देते हैं, क्योंकि इनसे स्वर कोलेस्ट्रॉल का लेवल बढ़ता है। उन्हें रिफाईंड अनाज जैसे सफेद ब्रेड और चीनी से बचने की सलाह दी जाती है, क्योंकि इनसे ब्लड शुगर का लेवल बढ़ता है। ब्लड प्रेशर को

भारतीय घरों के मुख्य द्वार पर क्यों लटकाए जाते हैं तौरण या बंधनवार? जानें इसके पीछे के कारण

घर का मुख्य दरवाजा खुशी, समृद्धि और शांति का प्रवेश-द्वार होता है। इसलिए, यह टूटा-फूटा या खराब हालत में नहीं होना चाहिए। वास्तु शास्त्र के अनुसार, मुख्य दरवाजा दो पल्लों वाला और साफ-सुथरा आयताकार आकार का होना चाहिए। सिंगल-हैंडर वाले दरवाजे, या तिक, ने, गोल, चौकोर या बहुकोणीय आकार वाले दरवाजे, साथ ही ऐसे दरवाजे जिनमें कोई छोटा दरवाजा या खिड़की बनी हो, इनसे बचना चाहिए। ज्योतिषाचार्य डॉ. उमाशंकर मिश्रा का कहना है कि ऐसे डिजाइन वास्तु दरवाजे के लिए अशुभ और मध्य के नियमों के खिलाफ माने जाते हैं। इसके अलावा, मुख्य दरवाजे और उसकी चौखट पर बंदनवार या तौरण लगाना चाहिए। यह घर में पॉजिटिविटी, शुभता और सुंदरता लाने का एक शानदार, पारंपरिक तरीका है। तौरण से कौन परिचित नहीं है? यह भारतीय घरों में एक आम नजराना है, जिसका इस्तेमाल मेहमानों का स्वागत करने और घर में पॉजिटिव एनर्जी लाने के लिए किया जाता है। सबसे अच्छी बात यह है कि यह कोई नई बात नहीं है। असल में, तौरण भारतीय संस्कृति का एक अहम हिस्सा है और सदियों से इस्तेमाल होते आ रहे हैं। लेकिन सवाल यह है कि लोग अपने घरों के मुख्य द्वार पर तौरण क्यों लगाते हैं? इसके क्या फायदे हैं? इस खबर में जानिए...



और नारंगी रंग या द्वार पर क्यों लटकाए जाते हैं तौरण या बंधनवार? जानें इसके पीछे के कारण (धाछट)। आम के पत्ते: मुख्य द्वार पर आम, पीपल या अशोक के पत्तों से बनी बंदनवार (तौरण) लगाने से वंश की वृद्धि और समृद्धि होती है। इसे अक्सर दिवाली के दिन लगाया जाता है, लेकिन इसे साल भर लगाए रखना शुभ माना जाता है। ऐसी बंदनवार घर में खुशी और खुशहाली बनाए रखने में मदद करती है। अशोक के पत्ते: दरवाजे पर अशोक के पत्तों से बनी बंदनवार लगाने से घर में आर्थिक समृद्धि आती है। गेंदे का फूल: गेंदे के पीले और नारंगी रंग समृद्धि, सीमाग्य और सकारात्मकता का प्रतीक हैं। इसकी खुशबू घर में खुशियां लाती है। पीली कोड़ियां: पीली कोड़ियों या समुद्री सीपियों से बनी बंदनवार घर को काले जादू या किसी भी तरह की नकारात्मक ऊर्जा से छुटकारा दिलाने और घर से तरह-तरह की बीमारियों को दूर रखने में मदद करती है। बंदनवार लगाने से परिवार में एकता और शांति बनी रहती है। ये रंग-विरंगी सजावटी चीजें आपके घर के प्रवेश द्वार पर रंगों की बहार लाती हैं और उसे तुरंत आकर्षक बना देती हैं। बंदनवार भारतीय घरों में केवल सजावट की चीजें नहीं हैं, ये समृद्धि और सीमाग्य के शक्तिशाली प्रतीक हैं।

वास्तु के सिद्धांतों के अनुसार, प्रवेश द्वार पर इसे लगाने से घर में पॉजिटिव एनर्जी आती है। आम या नीम की पत्तियों से बने ये सजावटी तौरण खास होते हैं क्योंकि इनमें मौजूद शुद्ध करने वाले गुण नकारात्मक ऊर्जा को घर में प्रवेश करने से रो करते हैं। ये बनी बंदनवार लगाने से घर में आर्थिक समृद्धि आती है। गेंदे का फूल: गेंदे के पीले और नारंगी रंग समृद्धि, सीमाग्य और सकारात्मकता का प्रतीक हैं। इसकी खुशबू घर में खुशियां लाती है। पीली कोड़ियां: पीली कोड़ियों या समुद्री सीपियों से बनी बंदनवार घर को काले जादू या किसी भी तरह की नकारात्मक ऊर्जा से छुटकारा दिलाने और घर से तरह-तरह की बीमारियों को दूर रखने में मदद करती है। बंदनवार लगाने से परिवार में एकता और शांति बनी रहती है। ये रंग-विरंगी सजावटी चीजें आपके घर के प्रवेश द्वार पर रंगों की बहार लाती हैं और उसे तुरंत आकर्षक बना देती हैं। बंदनवार भारतीय घरों में केवल सजावट की चीजें नहीं हैं, ये समृद्धि और सीमाग्य के शक्तिशाली प्रतीक हैं।



खाने-पीने की चीजों पर लिखी 'एक्सपायरी डेट' या 'बेस्ट-बिफोर डेट' का सीधा संबंध हमारी सेहत और सुरक्षा से होता है। इनका मुख्य मकसद ग्राहक को यह बताना होता है कि खाना कितने समय तक सुरक्षित, पोषिक और अच्छी क्वालिटी का रहेगा, लेकिन, जब बिस्बाबंद या पैकड खाने की चीजों पर ये तारीखें मिल जाती हैं, छिप जाती हैं या पढ़ी नहीं जा सकती, तो ग्राहक के लिए यह तय करना बहुत मुश्किल हो जाता है कि खाना खाने लायक है या नहीं। ऐसी स्थिति में खराब खाना खाने से फूड पॉइजनिंग और सेहत से जुड़ी कई गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। जैन जैसे कि...सीनियर डायटीशियन, जयपुर के का बिड़ला हॉस्पिटल में सीनियर डायटीशियन डॉ. दिव्या जैन का कहना है कि जब खाने की चीजों को उनकी 'शेल्फ लाइफ' (इस्तेमाल की समय-सीमा) के बाव भी रखा जाता है, तो उनके पोषक तत्व कम हो सकते हैं और उनमें कीटाणु जनन, खराब होने और दूषित होने का खतरा बढ़ जाता है। एक्सपायर हो चुका खाना खाने से पावन तंत्र में संक्रमण के लक्षण दिख सकते हैं, जैसे जी मिथलाना, उल्टी, दस्त, पेट फूलना और पेट में बेचैनी, डेबरी उत्पाद, रेडी-टू-ईट मील और प्रोसेस्ड मीट जैसी चीजों में एक्सपायरी डेट के बाद खाने पर

फूड-बॉन पैथोजेन्स (खाने से फैलने वाले कीटाणु) का खतरा सबसे ज्यादा होता है, इसलिए, इन्हें बहुत सावधानी से संभालना चाहिए। पैकड खाना खरीदते समय प्रोडक्शन और एक्सपायरी डेट देखना और खराब पैकेजिंग या अस्पष्ट लेबल वाली चीजों से बचना एक अच्छी आदत है। खरीदने के बाद आप प्रोडक्ट को कैसे संभालते हैं, यह भी बहुत जरूरी है, क्योंकि अगर सही तरीके से स्टोर न किया जाए तो खाना एक्सपायरी डेट से पहले भी खराब हो सकता है। साफ और आसानी से दिखने वाली लेबलिंग सही फैसला लेने में बहुत मदद करती है। ग्राहकों को बेहतर जानकारी देने के साथ-साथ खाने का उत्पादन और बिक्री करने वाला की जिम्मेदार कार्यप्रणाली निश्चित रूप से खाने से होने वाली बीमारियों को रोकने और सेहतमंद खान-पान की आवश्यकता को बढ़ावा देने में मदद कर सकती है। ये बातें जानना भी जरूरी है।

दूध आपके रेफ्रिजरेटर में 7 दिनों तक ठीक रहता है, इसे फ्रिज के पिछले हिस्से में रखें, जहां तापमान सबसे कम होता है। अंडे 3 से 5 हफ्तों तक ताजे रहते हैं। दूध की तरह, अंडों को भी फ्रिज के पिछले हिस्से में रखना चाहिए। कीमा बनाया हुआ मीट और पोल्ट्री रेफ्रिजरेटर में 1 या 2 दिनों तक ठीक रहते हैं। अगर आप इनका इस्तेमाल बाद में करना चाहते हैं, तो इन्हें तुरंत फ्रिज कर लें। पका हुआ मीट और पोल्ट्री रेफ्रिजरेटर में रखने पर 3 से 4 दिनों तक ठीक रहते हैं। डेली मीट (लंच मीट) बिना खोले 2 हफ्तों तक और खोलने के बाद 3 से 5 दिनों तक ठीक रहते हैं। सूखे चावल या पास्ता आपकी पेंटी में 1 से 2 साल तक ठीक रहते हैं। पकने के बाद, ये रेफ्रिजरेटर में 3 से 4 दिनों तक ठीक रहते हैं। बिस्बाबंद फल आपकी पेंटी में 12 से 18 महीनों तक ठीक रहते हैं। खोलने के बाद, रेफ्रिजरेटर में रखने पर ये 5 से 7 दिनों तक ठीक रहते हैं। सही तरीके से स्टोर करने से कुछ खाद्य पदार्थों की शेल्फ लाइफ बढ़ाई जा सकती है। हालांकि एक्सपायरी डेट एक गाइडलाइन का काम करती है, लेकिन खाने की क्वालिटी का पता लगाने के लिए अपनी इंद्रियों (जैसे सूंधना और देखना) का इस्तेमाल करना भी जरूरी है। खराब होने के संकेतों में अजीब गंध, बनावट में बदलाव और फफूंदी का लगना शामिल है। (डिस्क्लेमर: यहां दी गई स्वास्थ्य संबंधी जानकारी और सुझाव केवल शैक्षिक उद्देश्यों के लिए हैं। हम यह जानकारी वैज्ञानिक शोध, अध्ययनों और चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विशेषज्ञों की अनुशंसाओं के आधार पर प्रदान

गया जी के इस मंदिर में लोग जीते-जी करते हैं अपना पिंडदान और श्राद्ध, जानिए इसके पीछे की क्या है वजह और धार्मिक मान्यताएं

पितृ पक्ष पितरों को समर्पित होता है। यह समय पूर्वजों को प्रसन्न करने के लिए अति उत्तम माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि पितृ पक्ष में पूर्वज घरतीलोक पर आते हैं और अपने वंशजों पर आशीर्वाद बरसाते हैं। यही वजह है कि पितृ पक्ष में पितरों को प्रसन्न करने और उनकी आत्मा की शांति के लिए तर्पण, श्राद्ध और पिंडदान किया जाता है। पिंडदान एक पवित्र श्राद्ध कर्म है जो दिवंगत आत्माओं की शांति और मोक्ष के लिए किया जाता है। माना जाता है कि बिहार के गया जी में पितरों का पिंडदान करने से पूर्वजों को आशीर्वाद प्राप्त होता है और उनकी मोक्ष यात्रा सुनिश्चित होती है। गया जी में पिंडदान का महत्व मान्यता है कि गया जी वह पवित्रतम स्थान है जहां भगवान विष्णु ने पूर्वजों को मोक्ष प्रदान किया था। विष्णुपुराण और वायुपुराण में गया जी को मोक्ष की भूमि कहा गया है। इसे विष्णु नगरी के रूप में भी जाना जाता है। कहते हैं यहां स्वयं विष्णु पितृ देवता के रूप में मौजूद हैं। शास्त्रों में कहा गया है गया जी वो स्थान है जहां पिंडदान करने से 108 कुलों और आने वाली सात पीढ़ियों का उद्धार होता है। गया में इस समय 48 वेदियां हैं, जहां पर पितरों का पिंडदान किया जाता है। यहीं पर एक जगह है— अक्षयवट, जहां पितरों के निमित्त दान करने की परंपरा है।



पिंडदान

गया जी में एक ऐसा मंदिर भी जहां लोग जीवित रहते हुए स्वयं अपना पिंडदान और श्राद्ध करते हैं। गया के इस अनोखे और प्रसिद्ध मंदिर का नाम जनार्दन मंदिर है, जो भस्मकूट पर्वत पर स्थित है। पितृ पक्ष के दौरान यहां भक्तों की भारी भीड़ रहती है। गया जी में स्थित यह इकलौता ऐसा मंदिर है जहां लोग जीते-जी अपना पिंडदान करते हैं। इस मंदिर में भगवान विष्णु जनार्दन स्वरूप में विराजमान हैं। जीवित रहते पिंडदान करने के पीछे की वजह और धार्मिक मान्यताएं हिंदू धर्म में मृत्यु पश्चात दिवंगत की आत्मा की शांति और मोक्ष के लिए पिंडदान करना अत्यंत जरूरी होता है। माना जाता है कि मृत्यु के बाद अगर किसी का पिंडदान और तर्पण नहीं जाता है तो उसकी आत्मा को शांति नहीं मिलती है और घरती पर ही भटकती रहती है। ऐसे

में जिनकी कोई संतान नहीं है या फिर परिवार में ऐसा कोई नहीं जो उनका पिंडदान करे। तब ऐसे लोग मरने से पहले गया जी के जनार्दन मंदिर में जीवित रहते हुए अपना पिंडदान करते हैं। इसके अलावा जो लोग वैराग्य या संन्यास ले लेते हैं वे भी इस मंदिर में अपना पिंडदान करने के लिए आते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, जनार्दन मंदिर में भगवान विष्णु खुद पिंड ग्रहण करते हैं। मृत्यु के बाद पिंडदान करने की जरूरत नहीं पड़ती धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, गया जी में अगर कोई व्यक्ति जीवित रहते हुए अपना श्राद्ध और पिंडदान करता है तो उसकी मृत्यु के बाद उसके परिजनों को श्राद्ध कर्म नहीं करना पड़ता है। पिंडदान करने के बाद मृत्यु के बाद आत्मा को यमलोक या अन्य लोक

अगर आप अपने दिमाग को रखना चाहते हैं हेल्दी और तेज, तो जरूर करें ये कुछ आसान काम

दिमाग शरीर का कंट्रोल सेंटर है। यह फैसले लेता है, मूवमेंट, इमोशन और सोचने के प्रोसेस को रेगुलेट करता है, और यादें स्टोर करता है, जैसे दिल, फेफड़ों और मसलस की देखभाल और सुरक्षा करना जरूरी है, वैसे ही दिमाग का ध्यान रखना भी उतना ही जरूरी है। स्टडीज से पता चलता है कि कुछ लाइफस्टाइल चॉइस दिमाग के सही काम करने में मदद कर सकती हैं, सोचने-समझने की क्षमता में कमी का खतरा कम कर सकती हैं और मेंटल हेल्थ को बेहतर बना सकती हैं। मुंबई के सैफी हॉस्पिटल में कंसल्टेंट न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. फुरकान खान से जानें कि अपने दिमाग को स्वस्थ रखने के लिए आपको कौन सी आदतें अपनानी चाहिए...दिमाग को स्वस्थ रखने के लिए लोगों को ये छह जरूरी आदतें अपनानी चाहिए...शारीरिक रूप से एक्टिव रहें एक्सरसाइज को दिमाग के लिए सबसे अच्छी चीजों में से एक माना जाता है। यह दिमाग तक खून और पोषक तत्व पहुंचाने, ऑक्सीजन लेने की क्षमता को बेहतर बनाने और दिमाग की नई कोशिकाएं बनाने में मदद करती है। रोजाना कम से कम 30 मिनट तक तेजी से चलना, साइकिल चलाना या तैरना जैसी एक्टिविटीज करने से फर्क पड़ सकता है। अच्छी नींद को प्राथमिकता देना दोषों को पकड़ने, सीखने और दिमाग की मरम्मत के लिए नींद जरूरी है। जब आप सोते हैं, तो दिमाग दिन भर इकट्ठा की गई जानकारी को प्रोसेस करता है और बेकार डेटा को हटा देता है, ठीक से काम करने के लिए, वयस्कों को हर रात 7-9 घंटे की अच्छी नींद की जरूरत होती है। दिमाग को सेहतमंद रखने वाला खान-पान अपनाएं



फल, सब्जियां, साबुत अनाज, नट्स, बीज और हेल्दी फैट वाला खाना दिमाग की सेहत के लिए अच्छा होता है। ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर चीजें (जैसे मछली, अखरोट और अलसी के बीज) खाने से याददाश्त और सोचने-समझने की क्षमता भी बेहतर हो सकती है। प्रोसेसड फूड और ज्यादा चीनी का सेवन कम करना भी बहुत जरूरी है। अपने दिमाग को एक्टिव रखें दिमाग नई चीजें आजमाने से बेहतर काम करता है। पहेलियां सुलझाना, कोई नया हुनर छसीखना, पढ़ना, म्यूजिकल इंस्ट्रुमेंट बजाना या क्रिएटिव शौक पूरे करना जैसी गतिविधियां न्यूरोल कनेक्शन को मजबूत करने और उम्र बढ़ने के साथ दिमाग को तेज रखने में मदद कर सकती हैं। दूसरों से जुड़े रहें सोशल रिश्ते ब्रेन के काम करने के तरीके और इमोशनल सेहत से अच्छे से जुड़े होते हैं। दोस्तों, परिवार या अपनी कम्युनिटी के साथ समय बिताना और दूसरों से रेगुलर बातचीत करना, स्ट्रेस कम करने और ब्रेन के काम करने के तरीके को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है। स्ट्रेस को अच्छे से मैनेज करें लंबे समय तक स्ट्रेस रहने से

याददाश्त, ध्यान और सोचने-समझने की क्षमता पर बुरा असर पड़ सकता है। मेडिटेशन, योग, सांस लेने की एक्सरसाइज और नेचर में समय बिताने जैसी आदतें स्ट्रेस कम करने और इमोशनल मजबूती बनाने में मदद कर सकती हैं। मुंबई के सैफी हॉस्पिटल में कंसल्टेंट न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. फुरकान खान का कहना है कि दिमाग की अच्छी सेहत का मतलब सिर्फ बुढ़ापे में डिमेंशिया से बचना नहीं है। यह हमारी सोचने, सीखने, फैसले लेने, भावनाओं को समालने और रोजमर्रा की जिंदगी जीने की क्षमता पर भी असर डालती है। हालांकि उम्र और जेनेटिक्स की इसमें भूमिका होती है, लेकिन स्टडीज से पता चलता है कि जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती है, हमारी जीवनशैली का हमारे दिमाग के काम करने के तरीके पर काफी असर पड़ता है। किसी भी उम्र के लोग दिमाग की सेहत को बेहतर बनाने वाले अहम कारकों में सुधार करके इसे बनाए रखने में मदद कर सकते हैं। ब्लड शुगर के लेवल को सही बनाए रखना— डॉ. फुरकान खान का कहना है कि वैस्क्यूलर हेल्थ सबसे जरूरी पहलुओं में से एक है। दिमाग को ठीक से काम करने के लिए ऑक्सीजन और पोषक तत्वों की जरूरत होती है। इसलिए, दिमाग तक खून की सही सप्लाई बहुत जरूरी है। ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल और ब्लड शुगर के लेवल को सही बनाए रखने से स्ट्रोक और वैस्क्यूलर डैमेज का खतरा कम होता है, क्योंकि ये दोना ही चीजें सोचने-समझने की क्षमता और याददाश्त पर असर डाल सकती हैं।

व्रत के दौरान सेंधा नमक का ही क्यों किया जाता है इस्तेमाल, एक्सपर्ट से जानें जवाब



का आगमन न केवल त्योहार का माहौल लाता है, बल्कि हमारे खान-पान की आदतों में भी कई बदलाव लाता है। इन नौ दिनों के दौरान, ज्यादातर लोग सात्विक भोजन करते हैं, यानी ऐसा भोजन जिसमें प्याज, लहसुन, मांस और अंडे शामिल नहीं होते हैं इसके अलावा, आम सफेद नमक की जगह लोग सेंधा नमक (त्वचा सज) का इस्तेमाल करते हैं। ऐसे में, क्या आपने कभी सोचा है कि सफेद नमक की जगह सेंधा नमक का इस्तेमाल क्यों किया जाता है? आइए जानते हैं...जयपुर के खा बिड़ला हॉस्पिटल में सीनियर डाक्टरीशियन डॉ. दिव्या जैन का कहना है कि सेंधा नमक, जिसे हिमालयन क्रिस्टल सॉल्ट भी कहा जाता है, एक तरह का नमक है जो आम तौर पर इंडियन सबकॉन्टिनेंट के हिमालयी पहाड़ों में पाया जाता है। इसे नमक का सबसे शुद्ध रूप माना जाता है क्योंकि इसमें कोई केमिकल या जहरीले तत्व नहीं होते, समुद्री नमक की तरह, यह शुद्ध और ऑर्गेनिक होता है। जिन्हें नहीं पता उन्हें बता दें कि रॉक सॉल्ट को 'पेजिटेरियन सॉल्ट' भी कहा जाता है क्योंकि यह समुद्री पानी से नहीं बनता है। जानकारों के अनुसार, सेंधा नमक शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी को पूरा करने और वन बैलेंस बनाए रखने में मदद करता है। ब्लड सफुलेशन

और मिनरल बैलेंस को बेहतर बनाकर, यह शरीर से हानिकारक मिनरल जमाव और रिफाईंड नमक के अवशेषों को बाहर निकालने में भी मदद करता है। व्रत के दौरान लोग सेंधा नमक क्यों खाते हैं? डॉ. दिव्या जैन का कहना है कि व्रत के समय ऐसा खाना खाना चाहिए जो पचने में हल्का हो और शरीर से टॉक्सिन्स या जहरीले पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करे। सेंधा नमक खाने का स्वाद बढ़ाने के साथ-साथ उसे शुद्ध और सेहतमंद बनाए रखने का एक बेहतरीन तरीका है। यह नमक का सबसे शुद्ध रूप है क्योंकि इसे प्रोसेस नहीं किया जाता है। इसके उतट, टेबल सॉल्ट को वाष्पीकरण के बाद केमिकल प्रोसेस से गुजारा जाता है और अक्सर इसमें आयोडीन मिलाया जाता है, व्रत के दौरान सेंधा नमक फायदेमंद होता है क्योंकि यह शरीर को अंदर से ठंडा रखता है, जबकि दूसरे तरह के नमक शरीर में अंदरूनी गर्मी पैदा कर सकते हैं। सोडियम कम और पोटैशियम ज्यादा होने के कारण, सेंधा नमक इलेक्ट्रोलाइट लेवल को बनाए रखने और एनजी देने में मदद करता है, ये दोनों ही चीजें व्रत के दौरान शरीर को एक्टिव रखने के लिए बहुत जरूरी हैं। इसके साथ ही...

जिससे ब्लड प्रेशर बढ़ सकता है, जबकि सेंधा नमक एक हेल्दी विकल्प है। इसमें पोटैशियम होता है जो ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है। इसलिए, हाई ब्लड प्रेशर वाले मरीज इसे आसानी से अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। पावन में सुधार: जानकारों के अनुसार, आम सफेद नमक की जगह सेंधा नमक का इस्तेमाल करने से पावन बेहतर होता है। यह न सिर्फ खाने से जरूरी पोषक तत्वों को सोखने में मदद करता है, बल्कि पेट के छोटे-मोटे इन्फेक्शन से भी बचाता है। त्वचा और बालों के लिए फायदेमंद: सेहत के लिए फायदेमंद होने के साथ-साथ, सेंधा नमक त्वचा और स्कैल्प की अच्छी तरह से सफाई (एक्सफोलिएशन) करता है। आप सेंधा नमक को अपने फेस स्कrub और पैक में शामिल कर सकते हैं। यह न पोर्स को खोलता है, बल्कि त्वचा को चमकदार भी बनाता है। इसी तरह, स्कैल्प से गंदगी और मृत त्वचा को शिकाओं को आसानी से हटाने के लिए हेयर मास्क में भी सेंधा नमक मिलाया जा सकता है। जानकारों का कहना है कि सेंधा नमक शरीर के मेटाबॉलिज्म को बढ़ाने और शारीरिक क्षमता को बेहतर बनाने में मदद करता है। साथ ही, अगर आप वजन कम करना चाहते हैं, तो अपनी डाइट

जानिए क्यों मनाया जाता है महालया और इस दिन क्या करना चाहिए?

सनातन धर्म में महालया को पितृ पक्ष की समाप्ति और शारदीय नवरात्रि की शुरुआत के बीच का सबसे महत्वपूर्ण बदलाव का समय माना जाता है। महालया अमावस्या (सर्वपितृ अमावस्या) पितृ पक्ष का आखिरी दिन होता है, और इसके अगले दिन से देवी पक्ष और शारदीय नवरात्रि या दुर्गा पूजा की शुरुआत होती है। इस तरह, शारदीय दुर्गा पूजा के उत्सव की शुरुआत महालया से ही हो जाती है। शास्त्रों के अनुसार, इसी दिन देवी दुर्गा को महिषासुर का वध करने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी और इसी दिन वे घरती पमहालय का दिन न केवल शारदीय नवरात्र और दुर्गा पूजा की शुरुआत का प्रतीक है, बल्कि यह दिवंगत पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए जल चढ़ाने का दिन भी है। जो लोग अपने पूर्वजों की पुण्यतिथि पर वार्षिक श्राद्ध कर्म नहीं कर पाते, उनके लिए शास्त्रों में इस दिन यह अनुष्ठान करना उचित माना गया है। चूंकि अमावस्या की तिथि दिवंगत आत्माओं के लिए शुभ मानी जाती है, इसलिए पितृ पक्ष का आखिरी दिन (जो अमावस्या को पड़ता है) पूर्वजों को जल अर्पित करने और उनका आशीर्वाद पाने का एक शुभ अवसर होता है। साल 2026 में महालया शनिवार, 10 अक्टूबर को है। महालया आश्विन अमावस्या को मनाई जाती है, जो पितृ पक्ष का आखिरी दिन होता है। उत्तर भारत में इसी दिन को सर्व पितृ अमावस्या के नाम से जाना जाता है। महालया क्यों खास है सनातन धर्म में 'महालया' के शुभ अवसर पर, लोग अपने पूर्वजों या पितरों की आत्मा की शांति और तृप्ति के लिए 'तर्पण' की रस्म निभाते हैं। महालया की सुबह कोलकाता के बाबुघाट, प्रिंसिप घाट और हुगली नदी के किनारे बने अन्य घाटों पर भक्ति और आस्था का अद्भुत नजारा



देखने को मिलता है। नदी में कमर तक पानी में खड़े होकर, पुरुष अपने पिता और दादा के नाम पर जल, तिल और कुशा घास अर्पित करते हैं। मान्यता के अनुसार, इसी दिन देवी दुर्गा कैलाश से पृथ्वी (अपने मायके) की ओर अपनी यात्रा शुरू करती हैं। दूसरे शब्दों में, यह दिन बंगाली समुदाय के लिए दुर्गा पूजा की शुरुआत का भी प्रतीक है, क्योंकि ऐसा माना जाता है कि इस दिन देवी दुर्गा पृथ्वी पर आती हैं। इस बीच, उत्तरी कोलकाता के कारीगरों के इलाके कुमारतुली में, मूर्ति बनाने वाले पारंपरिक रूप से महालया के दिन दुर्गा प्रतिमाओं की आंखें बनाते हैं। इस रस्म को 'चक्षुदान' कहा जाता है। तब तक मूर्तियां अधूरी रहती हैं। आंखें बन जाने के बाद, ऐसा माना जाता है कि देवी ने सचमुच मिट्टी की मूर्ति में प्राण फूंक दिए हैं। महालय पर क्या करें अगर आप घर पर ही इसे मना रहे हैं, तो सुबह जल्दी उठें और रेडियो या ऑनलाइन पर महिषासुर मर्दिनी सुनें। अपने पूर्वजों के लिए तर्पण (पानी और तिल चढ़ाना) करें। अगर

आपको किसी रिश्तेदार की मृत्यु की सही डेट नहीं पता है, तो महालय के दौरान सभी पूर्वजों के लिए प्रार्थना करें। कोंबों और गायों को खाना खिलाएं और जरूरतमंदों को भोजन दान करें। शाम को अपने पूर्वजों के लिए दक्षिण दिशा की ओर मुंह करके एक दीया जलाएं। फिर, आने वाले दिनों के लिए तैयार हो जाएं। अपने घर में पूजा की जगह को सड़स बीच, उत्तरी कोलकाता के कारीगरों के इलाके कुमारतुली में, मूर्ति बनाने वाले पारंपरिक रूप से महालया के दिन दुर्गा प्रतिमाओं की आंखें बनाते हैं। इस रस्म को 'चक्षुदान' कहा जाता है। तब तक मूर्तियां अधूरी रहती हैं। आंखें बन जाने के बाद, ऐसा माना जाता है कि देवी ने सचमुच मिट्टी की मूर्ति में प्राण फूंक दिए हैं। महालय पर क्या करें अगर आप घर पर ही इसे मना रहे हैं, तो सुबह जल्दी उठें और रेडियो या ऑनलाइन पर महिषासुर मर्दिनी सुनें। अपने पूर्वजों के लिए तर्पण (पानी और तिल चढ़ाना) करें। अगर

दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे टेस्ट के स्क्वाड में किया बदलाव, पहले टेस्ट में 214 रनों से मिली थी करारी हार



दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए अपने स्क्वाड का ऐलान कर दिया है। 17 खिलाड़ियों के इस स्क्वाड में पहले टेस्ट के मुकाबले केवल एक बदलाव किया गया है। ट्रिस्टन स्टब्स की जगह मैथ्यू ब्रीट्जके को टीम में शामिल किया गया है। दोनों टीमों के बीच दूसरा टेस्ट रविवार 18 अक्टूबर से शुरू होगा, जिसमें दक्षिण अफ्रीका पहले मैच में मिली हार के बाद जोरदार वापसी करने की कोशिश करेगा। तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मैच में मेजबान दक्षिण अफ्रीका को 214 रनों से करारी हार का सामना करना पड़ा था, उस मैच में स्टब्स ने अपने बैट से कुछ खास

योगदान नहीं दिया था। वो पहली पारी में 32 और दूसरी पारी में 1 रन ही बना सके थे, जिसकी पजह से उन्हें स्क्वाड से बाहर कर दिया गया। उनकी जगह टीम में शामिल किए गए ब्रीट्जके ने दक्षिण अफ्रीका के लिए अब तक केवल दो टेस्ट मैच ही खेले हैं। एक अक्टूबर 2024 में बांग्लादेश के खिलाफ और दूसरा जुलाई 2025 में जिम्बाबवे के खिलाफ, जिसमें उन्होंने कुल 14 रन बनाए हैं। हालांकि, सीमित ओवरों के क्रिकेट में ये दाएं हाथ का बल्लेबाज शानदार फॉर्म में है। उन्होंने डरबन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले वनडे मैच में शतक जड़ा था। दक्षिण अफ्रीका के हेड कोच ने कहा, 'मैट पहले भी

टीम का हिस्सा रहे हैं। उनकी शानदार वनडे फॉर्म ने उन्हें दूसरी से आगे रखा। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि मैट का स्वेया और उनका चरित्र बहुत अच्छा है।' उन्होंने ये भी कहा, 'चूंकि अब रयान रिंकलटन विकेटकीपिंग करेंगे, इसलिए यह तय करना होगा कि क्या वह बल्लेबाजी क्रम में नीचे आएंगे या फिर पहले की तरह पारी की ओपनिंग करना जारी रखेंगे। दक्षिण अफ्रीका का टेस्ट स्क्वाड टेम्बा बावुमा, मार्कस एकरमैन, डेविड बेडिंगहेम, मैथ्यू ब्रीट्जके, कॉर्बिन बॉश, जीराल्ड कोएट्जी, साइमन हार्मर, मार्को यानसन, केशव महाराज, एडेन मार्कम, बियान मुल्डर, सेनुरन मुथुसामी, एनरिक नोकिया, डेन पेंटरसन, कगिसो रबाडा, रयान रिंकलटन और काइल वेरिन। ऑस्ट्रेलिया का टेस्ट स्क्वाडपै कमिंस (कप्तान), स्कॉट बोलेड, एलेक्स कैरी, कूपर कोनोली, कैमरून ग्रीन, जोश डेजलवुड, ट्रैविस कि, सीमित ओवरों के क्रिकेट में ये दाएं हाथ का बल्लेबाज शानदार फॉर्म में है। उन्होंने डरबन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले वनडे मैच में शतक जड़ा था। दक्षिण अफ्रीका के हेड कोच ने कहा, 'मैट पहले भी हेड, जोश इंग्लिस, मैथ्यू कुहनेमैन, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, माइकल नेसर, मैथ्यू रेनशॉ, स्टीव स्मिथ, मिशेल स्टार्क, ब्रू

थमने का नाम नहीं ले रही सोने-चांदी की महंगाई, खरीदारी से पहले देखें आज का नया रेट

अगर आप भी इस त्योहारी सीजन या शादियों के लिए सोना और चांदी खरीदने की योजना बना रहे हैं, तो आपके लिए बाजार से एक बेहद जरूरी खबर है। घरेलू बाजार में अचानक बढ़ी भारी मांग और वैश्विक स्तर पर बदलते समीकरणों के कारण सराफा बाजार में बड़ी हलचल देखी जा रही है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (डब्ल्यू) पर आज दोनों कीमती धातुओं की कीमतों में एक ऐसी तेजी आई है।

बाजार विश्लेषकों का कहना है कि त्योहारों से ठीक पहले निवेशकों द्वारा बड़े पैमाने पर बनाई जा रही नई पोलीशन की वजह से बाजार का पूरा रुख बदल गया है। आइए जानते हैं कि आज बाजार में क्या बड़े बदलाव हुए हैं और आपके शहर में खरीदारी करने पर इसका क्या असर पड़ेगा। सोने के दामों में बड़ा उलटफेर

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (डब्ल्यू) पर आज सोने के बायदा कारोबार में जबरदस्त तेजी दर्ज की गई। दिसंबर डिलीवरी वाले सोने की कीमतों में आज 1,353 रुपये की भारी बढ़त देखी गई। इस उछाल के बाद सोना अब 1,47,201 रुपये प्रति 10 ग्राम के एक बिल्कुल नए और ऊंचे स्तर पर पहुंच गया है। बाजार में आज 1,567 लॉट का बड़ा टर्नओवर दर्ज किया गया, जो साफ दिखाता है कि ऊंचे दामों के बावजूद बाजार में खरीदार बेहद सक्रिय हैं।



चांदी की कीमतों ने भी किया हैरान सोने के नक्शेकदम पर चलते हुए चांदी की चमक भी आज बढ़ गई है। अंतरराष्ट्रीय बाजारों से मिले मजबूत संकेतों के कारण घरेलू स्तर पर सफेद धातु के दाम आसमान छू रहे हैं। एमसीएक्स पर दिसंबर डिलीवरी वाली चांदी 561 रुपये की मजबूती के साथ अब 2,08,899 रुपये प्रति किला. ग्राम के स्तर पर जा पहुंची है। आज के कारोबार में चांदी के इस कॉन्ट्रैक्ट में 3,125 लॉट का बंपर बिजनेस टर्नओवर देखा गया है। प्रमुख शहरों में आज के भाव पंथ। और स्थानीय सराफा संघों द्वारा जारी सुबह के आंकड़ों के

अनुसार, देश के विभिन्न महानगरों में सोना और चांदी की कीमतें इस प्रकार रही इस तेजी का असर सिर्फ भारत तक ही सीमित नहीं है। अंत: रराष्ट्रीय स्तर पर भी दोनों धातुओं में तगड़ा उछाल है। न्यूयॉर्क में सोना बायदा 0.81 प्रतिशत की बढ़त के साथ 4,138.72 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा है, जबकि चांदी बायदा भी 0.61 प्रतिशत की तेजी के साथ 55.89 डॉलर प्रति औंस के स्तर को छू चुकी है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि ग्लोबल मार्केट में आ रही इस तेजी का सीधा असर आने वाले दिनों में भारत के खुदरा बाजारों में भी देखने को मिल सकता है।

एक ओवर में 5 विकेट! देखें 19 वर्षीय गेंदबाज का ज20 क्रिकेट में कमाल

साउथ अफ्रीका के क्रिकेट में एक 19 साल के ऑलराउंडर का उदय हो रहा है। जिसकी पहली झलक 14 अक्टूबर को एक मैच के दौरान देखने को मिली। जब चौड लेकोंक (बैंक स्लबवबा) ने घरेलू टी20 क्रिकेट में एक ही ओवर में 5 विकेट झटक लिए और बैट से नाबाद 31 रनों की शानदार पारी भी खेली। इसके साथ वो एक ओवर में 5 विकेट लेने वाले पहले साउथ अफ्रीकी गेंदबाज बन गए। चौड लेकोंक ने ये ऐतिहासिक उपलब्धि घरेलू टी20 क्रिकेट (14 घाव20 कप) में हासिल की, जब ओव टाइम्स के खिलाफ डॉच इनलैंड की ओर से गेंदबाजी कर रहे थे। इस शानदार गेंदबाजी के दौरान लेकोंक डबल हैट्रिक (लगतार 4 गेंदों पर 4 विकेट) भी लिए।

एक ओवर में पांच विकेट! चौड लेकोंक ने मैच के 19वें ओवर में 5 विकेट झटके। पहली गेंद पर उन्होंने बल्लेबाज को क्लीन बॉल्ड किया। दूसरी गेंद पर दो रन बने, लेकिन उसके बाद लगातार चार गेंद पर चौड लेकोंक ने चार विकेट झटक दिए, जिसमें तीन बॉल्ड और एक कैच आउट शामिल थे। नीची खतरनाक गेंदबाजी का वीडियो देख सकते हैं। इस मैच में चौड लेकोंक ने 28 रन देकर 6 विकेट लिए। यह उनके करियर का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। उन्होंने 11। चत20 कप के इतिहास में भी सबसे बेहतरीन बॉलिंग का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है।

ठब्ब में निकली वैकेंसी, करीब एक करोड़ है सैलरी, जानें कैसे करें अप्लाई?

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (ठब्ब) ने मंगलवार को एक घंटे पर वैकेंसी निकाली है। जो पद चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर का कार्यकाल समाप्त होने के बाद खाली हुआ है। इसलिए बोर्ड ने उस पद को भरने के लिए एक आवेदन पत्र मांगे हैं। अगरकर का कार्यकाल चार अक्टूबर को समाप्त हो चुका है। अब पुरुष टीम की सिलेक्शन कमेटी में प्रज्ञान ओझा, शिव सुंदर दास, अजय रात्रा और आरपी सिंह मौजूदा सदस्य हैं। पूर्व भारतीय स्पिनर प्रज्ञान ओझा फिलहाल चयन समिति के अंतरिम



इससे पहले 2014 में ब्यूरन हेंड्रिक्स ने 29 रन देकर 6 विकेट लिए थे, जिसका रिकॉर्ड अब लेकोंक ने तोड़ दिया। मैच का नतीजा लेकोंक के शानदार प्रदर्शन के बावजूद, डॉच इनलैंड को जीत नहीं मिल सकी, टाइम्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 204 रन बनाए थे, घज्जवाब में डॉच इनलैंड ने 6 विकेट पर 183 रन ही बना सके, और 21 रनों से मैच हार गए। ज20 में एक ओवर में 5 विकेट लेने वाले गेंदबाज गेडे प्रियंदाणा (इंडोनेशिया) चौड लेकोंक (साउथ अफ्रीका) अभिमन्यु मिथुन (भारत)

अल-अमीन हुसैन (बांग्लादेश) मोहम्मद आमिर (पाकिस्तान) एक ओवर में 4 विकेट टी20 में एक ओवर में 4 विकेट कई बार लिए जा चुके हैं। ऐसा अब तक 14 बार हुआ है। इनमें सबसे खास मामला 2019 में न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल मैच के तीसरे ओवर में लसिथ मलिंगा का था, जिन्होंने चार गेंदों में चार विकेट लिए थे, इस लिस्ट में लसिथ मलिंगा के अलावा राशिद खान, कर्टिस कैम्फर और जेसन होल्डर जैसे बड़े गेंदबाजों के नाम शामिल हैं। जो बड़ी टीमों के खिलाफ ज20 इंटरनेशनल मैचों में



अध्यक्ष हैं।

पुरुष टीम की सिलेक्शन कमेटी में

कुल पांच लोग होते हैं जो टेस्ट, वनडे इंटरनेशनल, ज20 इंटरनेशनल और किसी भी अन्य फॉर्मेट में प्रतिनिधित्व के लिए सीनियर नेशनल पुरुष टीम को चुनने के लिए जिम्मेदार होते हैं। यह कमेटी टैलेंट की पहचान करने और सीनियर नेशनल पुरुष टीम के लिए मजबूत बैच स्ट्रेथ तैयार करने में भी अहम भूमिका निभाती है। रिपोर्ट्स के अनुसार सिलेक्शन कमेटी के सदस्यों की सैलरी लगभग 90 लाख होती है। जबकि चीफ सिलेक्टर की सैलरी



नई दिल्ली: जीएसटी काउंसिल 8 अक्टूबर को होने वाली बैठक में जीएसटी सुधारों के अगले चरण पर विचार करेगी। मुख्य ध्यान प्रक्रियाओं को सरल बनाने, इनपुट टैक्स क्रेडिट का दायरा बढ़ाने, रिफंड को आसान बनाने, सेवाओं के निर्यात और छोटे व्यवसायों के लिए नियमों के पालन को आसान करने पर होगा। अधिका. रिक सूत्रों ने ईटीवी भारत को बताया कि राज्यों के लिए राजस्व की निश्चितता, जो जीएसटी के शुरुआती वर्षों में एक बड़ी चिंता थी, वह अब सुलझ चुकी है। इसके अलावा, टैक्स दरों के ढांचे में सबसे बड़ा बदलाव भी पिछले साल ही पूरा कर लिया गया था। अब चूंकि तकनीक अधिक परिपक्व हो चुकी है, इसलिए शुरुआती वर्षों में लागू किए गए कई कड़े सुस्था उपायों में ढील दी जा सकती है। वित्त मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, ये सुधार मुख्य रूप से पांच क्षेत्रों पर केंद्रित हैं— प्रक्रिया सुधार, बांछागत बदलाव, जीवन और व्यापार करने में सुगमता, सेवाओं का निर्यात और इलेक्ट्रॉनिक कॉमर्स (ई-कॉमर्स)। प्रक्रिया सुधारों के तहत उद्देश्य यह है कि जीएसटी सिस्टम उन कामों को खुद डेटा के माध्यम से संभाले जिन्हें ऑटोमेटिक किया जा सकता है, जबकि अधिकारी केवल उन मामलों पर ध्यान केंद्रित करें जिनमें निर्णय या विवेक की आवश्यकता होती है।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वर्तमान में, 61 प्रतिशत करदाताओं को बिना किसी अधिकारी के हस्तक्षेप

के केवल तीन कार्य दिवसों के भीतर रजिस्ट्रेशन मिल रहा है। बाकी बचे करदाताओं के लिए भी प्रक्रिया को आसान बनाने का प्रस्ताव है ताकि अनावश्यक पृष्ठताछ को कम किया जा सके और आवेदनों के खारिज होने से बचा जा सके। इनपुट टैक्स क्रेडिट में बदलाव की तैयारी जीएसटी सुधारों के इन प्रस्तावों में 'इनपुट टैक्स क्रेडिट' (प्ले) को बांछागत सुधारों के केंद्र में रखा गया है। अधिकारी ने कहा कि यदि किसी खरीदार के पास वैध इनवॉइस है, उसने सामान प्राप्त कर लिया है और सप्लायर को टैक्स सहित पूरा भुगतान कर दिया है, तो उसे इनपुट क्रेडिट का लाभ मिलना चाहिए। प्रस्ताव में कहा गया है कि यह इस बात पर निर्भर नहीं होना चाहिए कि सप्लायर चैन में आगे किसी अन्य व्यक्ति ने सरकार को टैक्स चुकाया है या नहीं।

इसके अलावा, व्यापार की उन लागतों को भी क्रेडिट देने के दायरे में वापस लाने का प्रस्ताव है जिन्हें वर्तमान में इससे बाहर रखा गया है। अधिकारी ने आगे जोड़ा कि वर्तमान में ऐसी लागतों पर चुकाया गया टैक्स व्यापार की लागत का हिस्सा बन जाता है, जिससे सामान की कीमतें बढ़ जाती हैं और अब इसमें सुधार होगा। जीएसटी के इन प्रस्तावों में यह भी सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया है कि एक ही तरह के व्यवसाय में दोबारा बेची जाने वाली सेवा पर दो बार टैक्स न लगे। साथ ही, रिफंड के दायरे को भी बढ़ाया जाएगा ताकि सेवाओं, प्लांट और मशीनरी पर

चुकाए गए टैक्स को भी इसमें कवर किया जा सके। करदाताओं के लिए अधिक सुगमता अधिकारी ने बताया कि रिटर्न दाखिल करने की प्रक्रिया में भी बदलाव का प्रस्ताव है, जिससे सुधारों को सही तरीके से दर्ज किया जा सके और उससे जुड़े बदलाव खरीदार के लेजर में अपने आप दिखने लगें। यह इनवॉइस मैचिंग सिस्टम रिकॉर्डिंग के समय ही इनपुट टैक्स क्रेडिट की पुष्टि कर देगा, जिससे डेटा के मिसमैच होने वाले नोटिफिकेशन में कमी आएगी। इसके अलावा, रिफंड मिलने की सूचना भी जल्द ही जाएगी। वित्त मंत्रालय का मानना है कि इन सुधारों का उद्देश्य करदाताओं के लिए रोजमर्रा के नियमों के पालन के बोझ को भी कम करना है। वर्तमान में 61 प्रतिशत रजिस्ट्रेशन पहले से ही तीन कार्य दिवसों के भीतर ऑटोमेटिक तरीके से दिए जा रहे हैं। अब रजिस्ट्रेशन में सुधार के 66 प्रतिशत आवेदनों को बिना किसी अधिकारी के हस्तक्षेप के प्रोसेस करने का प्रस्ताव है। साथ ही, केवल उपभोक्ताओं को सामान बेचने वाले छोटे करदाताओं के लिए यह प्रस्ताव है कि वे हर महीने के बजाय साल में केवल एक बार रिटर्न दाखिल करें। हालांकि, वह अभी आगे की चर्चा के लिए केवल एक कॉन्सेप्ट नोट है। आधिकारिक सूत्रों ने ईटीवी भारत को बताया कि यदि रिफंड के दायरे को 10 दिनों के भीतर स्वीकार नहीं किया जाता है, तो उसे स्वीकृत मान लिया जाएगा। रिस्क चेक होने पर रिफंड राशि का 90 प्रतिशत हिस्सा तुरंत जारी कर दिया जाएगा, जिसे बाद में

मसूरी में अक्षय कुमार का फिल्मी अंदाज, रोमांटिक अवतार में आये नजर, देखिए वीडियो

की माल रोड पर गुरुवार दोपहर नजारा कुछ फिल्मी हो गया, कहीं पर्यटक पहाड़ों की खूबसूरती निहार रहे थे, तो कहीं दुकानों पर खरीदारी चल रही थी। इसी बीच बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार अपनी फिल्म के एक सीन की शूटिंग करते नजर आए। फिल्मी दृश्य में वह अपनी साथी कलाकार के साथ माल रोड पर घूमते और शॉपिंग करते दिखाई दिए। हाथ में शॉपिंग बैग लिए अक्षय कुमार का यह अंदाज देखकर वहां मौजूद लोग उत्साहित हो उठे, देखते ही देखते अभिनेता की एक झलक पाने के लिए प्रशंसकों की भीड़ जुट गई।

शूटिंग के दौरान अक्षय कुमार पूरे जोश में नजर आए। उन्होंने अपने प्रशंसकों का हाथ हिलाकर अभिवादन किया। उन्होंने लोगों को निराश नहीं किया, शूटिंग स्थल पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। अभिनेता ने मीडिया से दूरी बनाए रखी। फिल्म के दृश्यों को पूरा करने में व्यस्त रहे। माल रोड से होटल सर्वोय तक फिल्मी हलचल अक्षय कुमार की शूटिंग केवल माल रोड तक सीमित नहीं रही। मसूरी के ऐतिहासिक होटल सर्वोय में भी फिल्म के एक गाने का दृश्य फिल्माया गया। फिल्म यूनिट मसूरी की ऐतिहासिक इमारतों और खूबसूरत वादियों को फिल्म के दृश्यों में शामिल कर रही है। बताया जा रहा है कि देर शाम जॉर्ज एवरेस्ट और रिमिंग रोड क्षेत्र में भी कुछ सीन फिल्माए जाने हैं। शुक्रवार को भी अक्षय कुमार के मसूरी में शूटिंग करने की संभावना है। इसके बाद देहरादून के विभिन्न इलाकों में फिल्म के कुछ हिस्सों की शूटिंग की जाएगी।



कमर दर्द की चर्चा के बीच शूटिंग में सक्रिय दिखे अभिनेता अक्षय कुमार की मसूरी में मौजूदगी के साथ उनकी सेहत को लेकर भी चर्चाएं रही। बताया जा रहा है कि बुधवार को कमर में दर्द के कारण उन्हें परेशानी हुई। देहरादून में उनका उपचार कराया गया। गुरुवार को वह शूटिंग करते नजर आए। हालांकि, उनकी सेहत को लेकर कोई आधिकारिक

मेडिकल जानकारी सामने नहीं आई है, इसलिए उनकी स्वास्थ्य स्थिति के बारे में अंतिम निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा। बॉलीवुड की पसंदीदा लोकेशन है मसूरी। मसूरी की माल रोड, पुराने भवन, घुमावदार सड़कें और पहाड़ों पर छाई धुंध फिल्मकारों को लंबे समय से आकर्षित करती रही हैं। यहां शूटिंग होने से शहर को भी नई

कितना है रनटाइम, कौनसा मिला सर्टिफिकेट, एडवांस बुकिंग में कौन आगे, ओपनिंग डे पर किसकी होगी जीत? जानें



देहराबाद: दशहरा के मौके पर बॉक्स ऑफिस पर दो बड़ी फिल्में धमाल मचाने आ रही हैं। 'जेलर 2' का तेलुगु-डब वर्जन 15 अक्टूबर को रिलीज होगा, और उसके एक दिन बाद यानी 16 अक्टूबर को 'रणवाली' आएगी। ये दोनों फिल्में ऐसे समय में आ रही हैं जब तेलुगु बॉक्स ऑफिस पर फिल्में अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं। 'इरुमुडी' और 'ना इटी बंगरम' जैसी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई हैं। उम्मीद है कि ये दोनों फिल्में भी दर्शकों का दिल जीतने में कामयाब होंगी। एडवांस बुकिंग जेलर 2 की एडवांस बुकिंग पिछले हफ्ते शुरू हुई, जिससे फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर अच्छी शुरुआत मिली। सैकनिट्स के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, फिल्म ने सिर्फ ओपनिंग डे (गुरुवार, 15 अक्टूबर) के लिए 14.84

लाख टिकट एडवांस में बेचे हैं और घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 31.70 करोड़ रुपये की कमाई की है। जबकि, शुक्रवार, 16 अक्टूबर (दूसरा दिन) के लिए 4.49 लाख टिकट बिकने से 7.88 करोड़ रुपये की एडवांस बुकिंग हुई है। शनिवार, 17 अक्टूबर (तीसरा दिन) के लिए भी 4.34 लाख टिकट बिक चुके हैं, जिससे कुल कमाई में 7.59 करोड़ रुपये और जुड़ गए हैं। ओपनिंग डे की एडवांस बुकिंग ने शिवा की 2021 की एक्शन-कॉमेडी 'अन्नाथे' (23.25 करोड़ रुपये) के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। इस तरह यह रजनीकांत की फिल्मों में ओपनिंग डे पर एडवांस बुकिंग के मामले में दूसरी सबसे बड़ी फिल्म बन गई है। पहले नंबर पर लोकेश कनगराज की एक्शन-थ्रिलर 'कुली' (46.36 करोड़ रुपये) है, जो पिछले

साल रिलीज हुई थी। विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना की पीरियड ड्रामा रणवाली की बात करें तो 'रणवाली' ने 4 शो की तारीखों के लिए एडवांस बुकिंग से 1.34 करोड़ रुपये की कमाई की है, जिसमें ब्लॉक सीटें शामिल नहीं हैं (इसके बिना 2.94 लाख), पहले दिन (शुक्रवार, 16 अक्टूबर) सबसे ज्यादा 44.30 लाख रुपये की कमाई हुई। देहराबाद 13.01 लाख रुपये के साथ टॉप शहर रहा। पहले दिन की घरेलू एडवांस बुकिंग को मिलाकर, फिल्म की दुनिया भर में ओपनिंग-डे की एडवांस बिक्री 55 करोड़ रुपये से ज्यादा हो गई है। रिलीज से पहले की जबरदस्त चर्चा और स्पॉट बुकिंग को देखते हुए 'जेलर 2' की कुल वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस ओपनिंग 100 करोड़ रुपये के

अविनाश मिश्रा-ईशा सिंह का रिलेशनशिप कंफर्म? 'खतरों के खिलाड़ी 15' के विनर ने पार्टी में खुलेआम बोला- आई लव यू बेबी

बिग बॉस 18 कंटेस्टेंट रहे अविनाश मिश्रा और ईशा सिंह एक बार फिर सुर्खियों में हैं। उनकी बॉन्डिंग अक्सर लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लेती है। हालांकि दोनों ने हमेशा यही कहा है कि वे सिर्फ अच्छे दोस्त हैं, लेकिन एक नए वीडियो ने एक बार फिर फैंस के मन में यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या उनके रिस्ते में कुछ और भी है।

सोशल मीडिया पर रोहित शेट्टी के शो 'खतरों के खिलाड़ी 15' के विनर एक्टर अविनाश मिश्रा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो को देखकर ऐसा लगता है कि उन्होंने ईशा सिंह के साथ अपने रिस्ते को सबके सामने जाहिर कर दिया है। वीडियो में अविनाश ईशा को उनके सपोर्ट के लिए धन्यवाद देते हुए और "आई लव यू, बेबी" कहते हुए नजर आ रहे हैं। साथ ही, वह मेहमानों से इस वीडियो को पोस्ट न करने के लिए भी कह रहे हैं। वायरल हो रहे भावुक होती दिखी। जीत के बाद, अविनाश तुरंत ईशा के पास गए और उन्हें गले लगाया, साथ ही उनके गाल पर किस भी किया। अविनाश और ईशा की पहली मुलाकात 'बिग बॉस 18' में हुई थी। हालांकि दोनों ने कई बार रोमांस की खबरों को नकारा है और कहा है कि वे सिर्फ अच्छे दोस्त वीडियो में अविनाश को यह कहते हुए देखा जा



सकता है। 'मैं शुक्रगुजार और खुशकिस्मत हूँ कि ईशा मेरी जिंदगी में हैं।' इसके बाद ईशा और उनके दोस्त उन्हें आगे बोलने के लिए कहते हैं, 'आगे तो बोलो।' फिर अविनाश कहते हैं, 'आई लव यू, बेबी।' ईशा खुशी से जवाब देती हैं, 'आंके आई लव यू टू' और फिर वहीं से चली जाती है। यह वायरल वीडियो 'खतरा' के खिलाड़ी 15 में अविनाश की जीत के बाद सामने आया है। जब रोहित शेट्टी ने ग्रैंड फिनाले में उन्हें विजेता घोषित किया, तो एक्टर की आंखों से आंसू छलक पड़े। वहीं, उन्हें सपोर्ट करने के लिए वहां मौजूद ईशा

भी भावुक होती दिखीं। जीत के बाद, अविनाश तुरंत ईशा के पास गए और उन्हें गले लगाया, साथ ही उनके गाल पर किस भी किया। अविनाश और ईशा की पहली मुलाकात 'बिग बॉस 18' में हुई थी। हालांकि दोनों ने कई बार रोमांस की खबरों को नकारा है और कहा है कि वे सिर्फ अच्छे दोस्त हैं, लघुघोषित किया, तो एक्टर की आंखों से 'किन्तु उनकी बॉन्डिंग और हाल के वीडियो कुछ और ही कहानी बना करते हैं। दोनों का अक्सर साथ दिखना, एक-दूसरे के लिए सोशल मीडिया पोस्ट और प्यार भरे पल अक्सर फैंस का ध्यान खींचते रहे हैं।

'रामायण' से लारा दत्ता और शीबा चड्ढा का पोस्टर रिलीज, 'कैकेयी' और 'मंथरा' के रोल में दिखा अलग अवतार

देहराबाद: रामायण के मेकर्स नमिit मल्होत्रा ने फिल्म से रानी कैकेयी के रूप में लारा दत्ता और मंथरा के रूप में शीबा चड्ढा के कैरेक्टर पोस्टरों से पर्दा उठा दिया है। यह पोस्टर महाकाव्य के दो अहम किरदारों को सामने लाते हुए उन घटनाओं की तरफ इशारा करते हैं कि कैसे ये भगवान राम का भाग्य हमेशा के लिए बदल देंगी कहानी के टर्निंग प्वाइंट की ओर इशारा किया है। रानी कैकेयी की दो इच्छाएं जो राजा दशरथ और उनके बेटे भगवान राम के लिए सब कुछ बदल देती हैं, वहीं रानी के इस कदम के पीछे मौजूद मंथरा की बातें होती हैं, जो ऐसी घटनाओं का सिलसिला शुरू करती है, जिससे पूरे



राज्य का भविष्य बदल जाता है। यह दोनों नए पोस्टरों अरुण गोविल के राजा दशरथ के रूप में जारी किए गए पोस्टर के बाद सामने आए हैं। अरुण गोविल जिन्होंने कई पीढ़ियों के

दिलों में भगवान राम के रूप में टीवी पर अपनी पहचान बनाई, वह अब अयोध्या के राजा दशरथ के रूप में रामायण की दुनिया के जरिए लौट रहे हैं। पोस्टर में शाही अंदाज में लारा दत्ता के कैकेयी अवतार को पेश किया गया है, जिसमें शानदार पारंपरिक पोशाक और गहना, 'मैं वह अयोध्या की रानी के तौर पर नजर आ रही हूँ। वहीं, शीबा चड्ढा का मंथरा के किरदार में लुक बेहद अलग है, जिसमें वे अपने हाथों में अपनी कुछ चीजें पकड़ी हुई नजर आ रही हैं। मेकर्स ने पोस्टरों शेयर करते हुए सोशल मीडिया पर

सनी देओल की 'सूर्या' अंत से आरंभ तक क्यों है 'जोसेफ' से अलग? डायरेक्टर ने बताई पूरी कहानी



सनी देओल एक बार फिर बड़े पर्दे पर क्राइम और सस्पेंस से भरपूर कहानी लेकर आने वाले हैं। उनकी आगामी फिल्म 'सूर्या' अंत से आरंभ तक साल 2018 की वर्धित मलयालम फिल्म 'जोसेफ' का हिंदी रीमेक है। हालांकि, डायरेक्टर एम पद्मकुमार ने साफ कर दिया है कि यह फिल्म ओरिजिनल कहानी की महज नकल नहीं होगी, बल्कि इसे नए अंदाज और अलग सिनेमाई ट्रीटमेंट के साथ पेश किया जाएगा। इंदीया भारत से खास बातचीत में डायरेक्टर ने खुलासा किया कि सनी देओल की सलाह पर फिल्म को एक नई पहचान देने की कोशिश की गई है। ऐसे में सवाल है कि क्या 'सूर्या' भी 'जोसेफ' की तरह दर्शकों के दिलों पर अपनी छाप छोड़ पाएगी? अलग-अलग तरह के विषयों और कहानी कहने के तरीकों पर काम करने के लिए मशहूर यह फिल्ममेकर इस प्रोजेक्ट के साथ हिंदी में बतौर डायरेक्टर अपना डेब्यू कर रहे हैं। सनी की मुख्य भूमिका वाली इस फिल्म में 'जोसेफ' का मूल आधार तो वही है, लेकिन नए वर्शकों के हिसाब से इसके प्रेजेंटेशन, सेटिंग और कहानी की रफ्तार में बदलाव किए गए हैं। पद्मकुमार ने कहा, "सूर्या, जोसेफ की हबू नकल नहीं है, भले ही यह एक रीमेक है, लेकिन इसके हिंदी वर्जन को इस तरह से तैयार किया जा रहा है कि यह मलयालम ओरिजिनल से बिल्कुल अलग लगे।" एम पद्मकुमार के मुताबिक, हिंदी रीमेक पर काम शुरू करते समय ही

यह स्पष्ट कर दिया गया था कि फिल्म को सीन-दर-सीन दोबारा नहीं बनाया जाएगा, डायरेक्टर ने बताया कि फिल्म के निर्माण और एक्टर सनी देओल ने उन्हें ओरिजिनल मलयालम फिल्म 'जोसेफ' को भूलकर नए सिरे से काम करने की सलाह दी थी। डायरेक्टर ने याद करते हुए कहा, "जब हम हिंदी वर्जन पर काम करने लगे, तो फिल्म के प्रोड्यूसर और लीड एक्टर सनी देओल ने मुझसे कहा कि मैं मलयालम फिल्म 'जोसेफ' के बारे में भूल जाऊँ। वे एक बिल्कुल नई फिल्म बनाना चाहते थे।" डायरेक्टर के अनुसार, फिल्म की ओरिजिनल कहानी और किरदारों को बरकरार रखा गया है, लेकिन उन्हें पेश करने का तरीका अलग है। मुख्य किरदार का लुक, बर्ताव और उम्र, ओरिजिनल फिल्म में जोजू जोर्ज के निभाए किरदार से मिलते-जुलते हैं। लेकिन, कहानी की सेटिंग और किरदारों को अलग तरह से तैयार किया गया है। उन्होंने भरोसा जताया कि 'जोसेफ' कई बार देख चुके वर्शकों को भी 'सूर्या' दोहराव या उबाऊ वाली फिल्म नहीं लगेगी। वंबर 2018 में रिलीज हुई भूमिकाओं के लिए पहचाने जाते थे, लेकिन एक रिटायर्ड पुलिस ऑफिसर के किरदार ने उन्हें व्यापक पहचान दिलाई। फिल्म की कहानी शाही

कबीर ने लिखी थी, जिन्होंने इसी फिल्म से स्क्रीनराइटिंग में डेब्यू किया था। पूर्व पुलिस अधिकारी होने के कारण उन्हें पुलिस जांच की बारीकियों की अच्छी समझ थी, जिसका अक्सर फिल्म की यथार्थवादी कहानी में देखने को मिला। निर्देशक पद्मकुमार ने भी 'जोसेफ' की सफलता का श्रेय जोजू जोर्ज के शानदार अभिनय को दिया। उन्होंने कहा, 'जोसेफ की सफलता काफी हद तक जोजू जोर्ज के असधारण अभिनय की वजह से थी। उनका हुलिया और चेहरे के भाव दर्शकों को गहराई से प्रभावित करते थे।' फिल्म के संगीतकार अनिल जोनसन ने भी इसके रहस्यमय और भावनात्मक माहौल को बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, लगभग 3 करोड़ रुपये के बजट में बनी 'जोसेफ' ने करीब 28 करोड़ रुपये की कमाई की थी। फिल्म ने सिनेमाघरों में 100 दिनों से अधिक समय तक प्रदर्शन किया। जोजू को उनकी एक्टिंग के लिए 'बेस्ट किरदार एक्टर' का केरल स्टेट फिल्म अवॉर्ड और नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स में 'स्पेशल मेशन' मिला। "डिस्क्रीप्शन पृष्ठ" नवदल कमवस सनी देओल के साथ एम पद्मकुमार (चमबपस [तर्तदहमउमदरज]) पद्मकुमार के लिए, 'सूर्या' मलयालम सिनेमा से आगे बढ़कर एक अहम कदम है। डायरेक्टर ने कहा कि उन्हें हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में काफी आजादी और सम्मान मिला, जहां उनका